

136.0 DB

Duration: 3m 10s

जीई रोड, रामकुंड, रायपुर

135.7 DB

Duration: 3m 14s

जीई रोड, रामकुंड, रायपुर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

135.3 DB

Duration: 2m 10s

आमापारा रायपुर

हरिभूमि की पड़ताल : रातभर सड़कों पर दहाड़ता रहा डीजे, 10 फीट की दूरी पर 147 डेसिबल रीडिंग

ललित राठोड़/रायपुर। जब दुनिया दिल को स्वस्थ रखने की बात कर रही थी, उससे पहले रात में रायपुर की सड़कों पर गणेश विसर्जन के नाम पर डीजे का शोर दिला, दिमाग, सुप्रीम कोर्ट-हाईकोर्ट और प्रशासन को चुनौती देता नजर आया। हरिभूमि की टीम ने शहर में करीब 25 स्थानों पर डीजे की आवाज मापी। औसत रीडिंग 135 डेसिबल दर्ज हुई वहीं अधिकतम 147 तक जा पहुंची। खास बात यह कि मापन डीजे से करीब 10 फीट की दूरी पर किया गया। मतलब अगर डीजे से सटाकर रीडिंग ली गई होती तो यह 150 से ज्यादा पहुंचती। डब्ल्यूएचओ की सेल्फ लिमिटिंग गाइड लाइन कहती है कि अधिकतम 80 डेसीबल तक ही सुरक्षित है। यानी इतने शोर को इंसान बर्दाश्त कर सकता है। लेकिन रायपुर में 145 तक पहुंचा। इतने शोर में एक मिनट भी खड़े होना खतरनाक है।



132.7 DB

Duration: 2m 20s

कालीबाड़ी चौक, रायपुर

132.1 DB

Duration: 32s

फुल चौक, रायपुर

- इससे यह नुकसान हो सकते हैं
- सुनने की क्षमता को स्थायी नुकसान
 - दिल और ब्लड प्रेशर पर असर
 - नींद पूरी तरह खराब
 - लगाव और बैचैनी
 - सिरदर्द, थकान और एकाग्रता में कमी
 - बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोग ज्यादा परेशान हो सकते हैं

131.9 DB

Duration: 1m 50s

तात्यापारा, रायपुर

131.7 DB

Duration: 55s

आजाद चौक, रायपुर

134.8 DB

Duration: 1m 10s

जीई रोड, रामकुंड, रायपुर

125.9 DB

Duration: 45s

कालीबाड़ी चौक, रायपुर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹111346/- (75.00%)

22 कैरेट रेट = ₹135990/- (91.60%)

24 कैरेट रेट = ₹148446/- (99.99%)

Live Rate आनंद ज्वेलर्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

anand Jewels Pandri, Raipur

हरिभूमि-आईएनएच चैनल के स्टिंग आपरेशन पर हुई कार्रवाई पीएससी घोटाले के आरोपी सोनवानी को स्पेशल ट्रीट, तीन जिम्मेदार, एक बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सीजी पीएससी घोटाले के आरोपी दामन सिंह सोनवानी की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही का स्टिंग आपरेशन सामने आने के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस मामले में तीन जेल प्रहरीयों को गंभीर लापरवाही का जिम्मेदार माना गया। इनमें से एक को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। खास बात ये है कि हरिभूमि-आईएनएच ने यह स्टिंग किया था। आरोपी दामन सोनवानी को हथकड़ी नहीं लगाई गई थी और पेशी के दौरान वह अपनी पत्नी व एक अन्य व्यक्ति से मिलते देखा गया था। यह नियम-कानून का उल्लंघन माना गया है।

आरोपी को हथकड़ी नहीं लगाई, पत्नी से मुलाकात भी कराई



तीन को माना गया जिम्मेदार

जांच प्रतिवेदन में यह स्पष्ट हुआ कि इयूटी पर तैनात प्रहरी सदीप कुमार महेश्वरी (जिला जेल बलौदाबाजार), नागेन्द्र कुमार महतो (जिला जेल देवगढ़) और पवन कुमार लहरे (जिला जेल रायगढ़) ने अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाया, जिसके कारण यह अप्रिय स्थिति निर्मित हुई। इस गंभीर अनुशासनहीनता को देखते हुए केन्द्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। जिला जेल बलौदाबाजार के प्रहरी सदीप कुमार महेश्वरी को जेल नियमावली के उल्लंघन के मामलों और इस बार के गंभीर कड़ाघर के मद्देनजर, 29 सितंबर 2026 से सेवा से पदच्युत (बर्खास्त) कर दिया गया है। आदेश में यह भी कहा गया है कि ऐसे अनुशासनहीन ►►शेष पेज 6 पर

क्या था पूरा मामला और कैसे बरती गई लापरवाही

सीजीपीएससी घोटाला प्रकरण के मुख्य आरोपी एवं विचारार्थीन बंदी दामन सोनवानी को स्वास्थ्यगत कारणों से रायपुर के मेकाहारा अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में उपचार के लिए भेजा गया था। नियमों और स्पष्ट निर्देशों के तहत इयूटी पर तैनात प्रहरीयों को यह सख्त हिदायत दी गई थी कि अस्पताल परिसर में विचारार्थीन बंदी को हथकड़ी लगाकर रखा जाए, उसके परिजनों या अन्य किसी भी व्यक्ति से उसकी मुलाकात न कराई। ►►शेष पेज 6 पर

वायरल हुआ वीडियो, बना कार्रवाई की वजह

अस्पताल में उपचार के दौरान विचारार्थीन बंदी दामन सोनवानी का बिना हथकड़ी के अपनी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति से मुलाकात करते हुए वीडियो सोशल मीडिया (यूट्यूब और इंस्टाग्राम) पर तेजी से वायरल हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप जेल अधीक्षक एस.एच. प्रधान को प्रारंभिक जांच के निर्देश दिए गए। यह वीडियो आईएनएच चैनल में तैयार किया था।

खबर संक्षेप

विवादों में घिरे डीयू के कुलसचिव भूपेंद्र हटाए गए भिलाई। विवादों में घिरे हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप को हटा दिया गया है। छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग रायपुर ने उनका तबादला उच्च शिक्षा संचालनालय इंद्रावती रायपुर कर दिया है। कुलदीप की जगह शासकीय विचारार्थीन ►►शेष पेज 6 पर

17 करोड़ का हशीश का तेल हुआ जब्त

तूतीकोरम। अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने यहां 17 करोड़ रुपए मूल्य का हशीश का तेल जब्त किया है। इसे कथित रूप से मादक द्रव्य तस्करी करने की कोशिश कर रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आवाजही के संबंध में मिली विशेष सूचना के आधार पर एक विशेष पुलिस दल ने पूबालरायपुरम में इस खप को रोका।

बंगाल के पूर्व मंत्री के परिसरों पर छापे कोलकाता। इंडी ने धनशोधन की जांच के तहत पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन और अन्य लोगों के परिसरों पर छापे मारे। छापेमारी के दौरान कुल 15 परिसरों की तलाशी ली गयी। यह कार्रवाई दुर्गा पूजा से पहले उसकी झलक दिखाने वाले कार्यक्रम आयोजित करने वाली एक संस्था में कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में की गई।

कर्मचारी चयन मंडल का अब अगस्त में जारी होगा परीक्षा कैलेंडर

30 से 60 दिनों में पूरी होगी भर्ती प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की भर्ती के लिए बने छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल के अब नए नियम भी बन गए हैं। भर्ती प्रक्रिया को लेकर एक व्यापक और समयबद्ध व्यवस्था बनाई गई है। इन नियमों से राज्य में सरकारी नौकरियों के लिए चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निश्चित समय-सीमा के भीतर पूरी होगी, लेकिन खास बात ये है कि मंडल अब हर साल अगस्त में भर्ती परीक्षा के लिए कैलेंडर जारी करेगा। यही नहीं, भर्ती प्रक्रिया 30 से 60 दिनों के अंदर पूरी कर ली जाएगी। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने विभिन्न विभागों की भर्ती के लिए बनाया है। इन नए नियमों के तहत अब भर्ती परीक्षाओं से लेकर नियुक्ति तक की पूरी प्रक्रिया एक निश्चित समय-सीमा के भीतर संपन्न होगी। उल्लेखनीय है कि यह मंडल बनने से पहले तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की भर्ती व्यावसायिक परीक्षा मंडल के माध्यम से होती थी। उसकी ►►शेष पेज 6 पर

ख़ास ख़बर

छत्तीसगढ़

कर्मचारी चयन मंडल विधेयक

इस तरह होगी लिखित परीक्षा और चयन

लिखित परीक्षा और चयन प्रक्रिया के चरण के संबंध में नए नियम में कहा गया है मण्डल द्वारा तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए बहुविकल्पीय प्रश्नों पद्धति पर समूहवार लिखित परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। जिन पदों के लिए चयन प्रक्रिया में द्वितीय चरण की कौशल परीक्षा या शारीरिक दक्षता या भौतिक परीक्षण अनिवार्य है, उनके लिए लिखित परीक्षा के प्रश्नों की और आरक्षण नियमों के आधार पर विज्ञापित पदों की संख्या से 15 गुना उम्मीदवारों की 'शुर्ती' अर्थात् जारी की जाएगी। यह द्वितीय चरण की परीक्षा केवल अर्हकारी (क्वालिफाइंग) प्रकृति की होगी, जिसे संबंधित विभाग को 3 महीने के भीतर पूरा करना होगा।

बलरामपुर में एंटी करप्शन ब्यूरो ने की बड़ी कार्रवाई

बिल भुगतान के लिए मांगा दो फीसदी कमीशन, 'नान' का मैनेजर अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ►► अग्निबापुर/बलरामपुर

भ्रष्टाचार के खिलाफ मंगलवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की। बलरामपुर में एसीबी की टीम ने नागरिक आपूर्ति निगम (नान) के जिला प्रबंधक को 22 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी जिला प्रबंधक बिल पास करने के नाम पर 2 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहा था। शिकायत के बाद एसीबी द्वारा की गई ट्रेप कार्रवाई से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। जानकारी के ►►शेष पेज 6 पर

जेल मेजा गया

एसीबी ने आरोपी से पूछताछ के बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। एसीबी टीआई शरद सिंह ने बताया कि बिल भुगतान के एवज में 2 प्रतिशत कमीशन मांगने के आरोप में नान के जिला प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया है और मामले की आगे की विवेचना जारी है।

सीआईएसएफ जवान ने साथियों को मारी गोली, चार की शहादत

एगेंसी ►► कटुआ

कटुआ कैप में फायरिंग

अंकित पांडेय लक्ष्मण सिंह

मो. रफीक संजीव कुमार

एक सब इंस्पेक्टर और दो जवानों को गोली चलाकर बुरी तरह से घायल कर दिया। चारों जवानों शहीद हो गए। इस मामले में आरोपी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि शहीद जवानों की पहचान असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार पांडे (कंपनी कमांडर), सब-इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल संजीव कुमार और कॉन्स्टेबल मोहम्मद रफीक के रूप में हुई है। दो जवान में बस और अंधाधुंध ►►शेष पेज 6 पर

17 व 18 अक्टूबर को होगा सप्तमी पूजन हाथी पर आएंगी मां...सप्तमी दो दिन, लेकिन अष्टमी-नवमी एक ही दिन

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

गुरु और चंद्रमा की विशेष स्थिति से निर्मित होगा गजकेसरी योग

गुरु और चंद्रमा की विशेष स्थिति से निर्मित होगा गजकेसरी योग

शारदीय नवरात्रि का पर्व इस साल 11 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। नौ दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होगी। इस बार मां हाथी पर आएंगी। इस बार सप्तमी तिथि दो दिन यानी 17 और 18 अक्टूबर को पड़ रही है, लेकिन इसके बाद भी नवरात्रि नौ दिनों की ही होगी क्योंकि अष्टमी व नवमी एक ही दिन है। हिंदू पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्र की शुरुआत हमेशा आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। इस साल यह तिथि 10 अक्टूबर की रात 9 बजकर 19 मिनट पर लग रही है और 11 अक्टूबर की रात 9 बजकर 30 मिनट पर खत्म होगी। लेकिन, शास्त्रों में 'उदया तिथि' को ही आधार माना जाता है। इसलिए, नवरात्र की शुरुआत और कलश स्थापना 11 अक्टूबर को ही होगी।

अक्टूबर को ही होगी। पंचांग की गणना के अनुसार, अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर की सुबह 8:27 बजे से शुरू होकर 19 अक्टूबर की सुबह 10:51 बजे तक रहेगी। 19 अक्टूबर को सूर्योदय के समय अष्टमी तिथि व्याप्त रहेगी। सुबह 10:51 के तुरंत बाद नवमी तिथि शुरू हो जाएगी, इसीलिए 19 अक्टूबर को ही महागौरी की पूजा (अष्टमी), कन्या पूजन और नवमी के सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे।

नवरात्रि 9 दिनों की

शरदीय नवरात्रि की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी। नवरात्रि इस बार 9 दिनों की ही है।

- पं. यशवंत सिंह दत्तेश्वरी मंदिर, रायपुर

आर्थिक व पारिवारिक जीवन में प्रभाव

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस बार नवरात्रि के दौरान गुरु और चंद्रमा की विशेष स्थिति से गजकेसरी योग निर्मित होगा। ज्योतिष में इस योग को शुभ परिणाम देने वाला माना जाता है। नवरात्रि के दौरान बनने वाले इस योग को लेकर मान्यता है कि इसका प्रभाव व्यक्ति के करियर, आर्थिक स्थिति, पारिवारिक जीवन और चंद्रमा एक-दूसरे से कैद भाव यानी वैधर्म्य, वैधर्म्य, सातवें या दसवें भाव में स्थित होते हैं, तो इस योग का निर्माण माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं में गजकेसरी योग को ज्ञान, प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास और आर्थिक उन्नति से जोड़कर देखा जाता है। नवरात्रि जैसे धार्मिक पर्व के दौरान इस तरह के योग को विशेष महत्व दिया जाता है।



सफाई के लिए सेंट्रलाइज ठेका, सालाना खर्च होंगे 114 करोड़, निगम पर 6 करोड़ का अतिरिक्त भार

विधानसभावार क्लस्टर तय कर बुलाया टेंडर, ऑनलाइन टेंडर में 10 एजेंसियों ने दिखाई दिलचस्पी


 हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था अब केंद्रीकृत होगी। इसके लिए शहर के चार विधानसभा के वार्डों में सड़क सफाई के रोस्टर प्लान का खाका नगर निगम ने तैयार कर लिया है। बीट सिस्टम अनुसार नए सिस्टम में सफाई कर्मचारियों को जिम्मेदारी मिलेगी। सेंट्रलाइज्ड ठेके के लिए नगर निगम द्वारा किए गए ऑनलाइन टेंडर में देशभर की 10 एजेंसियों ने दिलचस्पी दिखाते हुए निविदा में भाग लिया है। इनमें दिल्ली, जयपुर, नागपुर, मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़ की एजेंसियां शामिल हैं। चार विधानसभा का क्लस्टर तय कर टेंडर किया गया है। इसमें 114 करोड़ सालाना सफाई पर बजट खर्च प्रस्तावित है, जबकि वर्तमान में रायपुर नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग शहर की सफाई पर साल में 108 रुपए खर्च कर रहा है, यानी नए सिस्टम अमल में लाए जाने पर रायपुर नगर निगम पर 6 करोड़ का अतिरिक्त आर्थिक भार उठाना पड़ सकता है।

राजधानी के अनुसार शहर की सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने राज्य शासन के आदेश पर नगर निगम ने चार विधानसभा वाइज क्लस्टर तय कर टेंडर की प्रक्रिया शुरू की। इसके तहत किए गए ऑनलाइन टेंडर के प्री-बिड में दिल्ली, जयपुर, नागपुर, मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़ की 10 एजेंसियों ने दिलचस्पी ली है। सेंट्रल सफाई ठेके के लिए सालाना 114 करोड़ का बजट रखा गया है। जबकि वर्तमान में सफाई पर करीबन 108 करोड़ रुपए खर्च हो रहे हैं। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने केंद्रीकृत सफाई व्यवस्था की तैयारी के लिए रायपुर शहर के चारों विधानसभा के साथ घरसीवा विधानसभा में आने वाले एक वार्ड के लिए 4 नोडल अधिकारी तय कर दिए हैं। शहर के चार विधानसभा में रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण और रायपुर ग्रामीण से संकेंद्र वार्ड शामिल हैं। शहर में पहली बार बीट वाइज सफाई के

राज्य प्रशासनिक सेवा के 125 अधिकारियों का तबादला

हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 125 अधिकारियों को तबादला किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार को तबादला आदेश जारी किया। तबादला सूची में अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर और प्रवर श्रेणी के अधिकारी शामिल हैं। जिलों से लेकर मंत्रालय स्तर तक अधिकारियों का फेरबदल किया गया है। **भट्टाचार्य को सूडा के अतिरिक्त सीईओ का प्रभार** पुलक भट्टाचार्य सामान्य प्रशासन विभाग में बतौर उपसचिव पदस्थ हैं। वे पीएमओटी मिशन कर्मयोगी के समन्वयक और नगरीय प्रशासन-विकास संचालनालय में अपर संचालक के अतिरिक्त प्रभार में हैं। आदेश के अनुसार, वर्तमान दायित्वों के साथ उन्हें राज्य शहरी विकास अधिकरण (सूडा), रायपुर के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं विपुल कुमार गुप्ता श्रम विभाग में उपसचिव हैं। उन्हें वर्तमान दायित्वों के साथ सचिव, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, रायपुर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अरविंद कुमार पाण्डेय, अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर को संयुक्त संचालक, छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा पदस्थ किया गया है।

कई जिलों के अपर कलेक्टर भी बदले सुरेंद्र प्रसाद वैद्य, अपर कलेक्टर कोरिया को बालोद, चंद्रकांत कौशिक अपर कलेक्टर बालोद को सारंगढ़-बिलाईगढ़, सुनील कुमार नायक अपर कलेक्टर सरगुजा को जशपुर, राजेश कुमार पाट्रे अपर कलेक्टर दंतेवाड़ा को प्रबंधक नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। राजीव कुमार पाण्डेय अपर संचालक उच्च शिक्षा संचालनालय से अब अपर कलेक्टर जशपुर पदस्थ किए गए हैं। निष्ठा पाण्डेय तिवारी अपर कलेक्टर मुंगेली से बेमेतरा और प्रदीप कुमार साहू अपर कलेक्टर जशपुर से बेमेतरा, योगिता देवांगन अपर कलेक्टर जिला दुर्ग को कोरबा, चर्चिदा प्रसाद बघेल अपर कलेक्टर बस्तर को सुकमा, अनिल कुमार सिसदार अपर कलेक्टर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को बलरामपुर-रामानुजगंज, वीरेंद्र लकड़ा अपर कलेक्टर सक्ती को नारायणपुर-प्रतापपुर, विजय कुमार खेर अपर कलेक्टर सुकमा को सरगुजा, नवीन कुमार भगत अपर कलेक्टर गरियाबंद से सक्ती, रामसिंह ठाकुर अपर कलेक्टर सरगुजा को सूरजपुर, नवीन कुमार ठाकुर अपर कलेक्टर रायपुर को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, अंजोर सिंह पैकरा अपर कलेक्टर गरियाबंद को मुंगेली, ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर अपर कलेक्टर जांजगीर-चांपा को रायपुर, अजय किशोर लकड़ा अपर कलेक्टर बालोद को धमतरी, राजकुमार तंबोली अपर कलेक्टर जांजगीर-चांपा को नारायणपुर, बालेश्वर राम अपर कलेक्टर सक्ती को बलरामपुर रामानुजगंज, रामेश्वर नाथ पांडेय अपर कलेक्टर प्रतापपुर-रामानुजगंज को जशपुर, प्रमोद कुमार गुप्ता अपर कलेक्टर सरगमपुर-रामानुजगंज को जांजगीर-चांपा, जगन्नाथ वर्मा अपर कलेक्टर सूरजपुर को महासमुंद्र, प्रकाश कुमार भारद्वाज अपर कलेक्टर बेमेतरा को कोण्डागांव, अजय कुमार उरांव अपर कलेक्टर कोंडागांव को बेमेतरा, गिरधारी लाल यादव अपर कलेक्टर मुंगेली को बालोद पदस्थ किया गया है।

महत्वपूर्ण संस्थानों में भी नई जिम्मेदारियां सौंपीं संदीप कुमार ठाकुर अपर कलेक्टर कबीरधाम को अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर विकास



बिलासपुर, बुधवार 30 सितंबर 2026

haribhoomi.com

मानसून की आधिकारिक विदाई नहीं, लेकिन ठंड की आहट

हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की रेखा आगे बढ़ रही है। प्रदेश में मानसून की आधिकारिक विदाई होने में अभी समय है, लेकिन ठंड की हल्की



आहट शुरू हो गई है। मैनपाट में सोमवार को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया था, जो मंगलवार को एक डिग्री अधिक रहा। यहां देर रात व तड़के हल्की ठंड का अहसास हो रहा है। इसके उलट राजधानी रायपुर व राजनांदगांव जैसे जिलों में दोपहर में भी अभी भी चुभने वाली धूप का सामना करना पड़ रहा है। रायपुर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री दर्ज किया, यह सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री दर्ज हुआ। प्रदेश में सर्वाधिक गर्म शहर 34 डिग्री के साथ राजनांदगांव रहा।

3-4 दिन बारिश नहीं

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले 3-4 दिनों तक मौसम पूर्णरूप से सूखा रहेगा। सरगुजा व बस्तर में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है, लेकिन बारिश की मात्रा विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगी। छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर अब कमजोर पड़ गया है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी यही स्थिति रही। सरगुजा और बस्तर संभाग के एक-दो स्थानों को छोड़कर शेष स्थान सूखे ही रहे। रायपुर में आज देर शाम हल्के बालल छाए रह सकते हैं, लेकिन बदली-बारिश जैसी कोई स्थिति निर्मित नहीं होगी।

ब्लड बैंकों में निगेटिव ग्रुप की कमी प्लेटलेट्स, प्लाज्मा आउट ऑफ स्टॉक

ब्लड बैंकों में पॉजिटिव समूह के रक्त की डिमांड ज्यादा इसलिए स्टॉक भी पर्याप्त

सरकारी और प्रायवेट मिलाकर जिले में 40 और प्रदेश में 160 के करीब ब्लड बैंक

हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

राजधानी समेत पूरे जिले और प्रदेश के ब्लड बैंक दानदाताओं के भरोसे संचालित हो रहे हैं मगर यहां निगेटिव ग्रुप की कमी दूर नहीं हो रही है। खासकर बी और ओ निगेटिव के रक्त स्टॉक में नहीं है। उपयोग नहीं होने पर पांच से 6 दिन में खराब होने वाले प्लेटलेट्स और प्लाज्मा भी नो स्टॉक जैसी स्थिति में है। ब्लड बैंकों में उपलब्धता की जानकारी ई-रक्तकोष नामक ऑनलाइन साइट पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

सरकारी और प्रायवेट मिलाकर रायपुर जिले में 40 और प्रदेश में करीब 160 ब्लड बैंक संचालित हो रहे हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जा रहा है। अपने समूह के ब्लड के लिए मरीजों को भटकना ना पड़े इसके लिए केंद्र स्तर पर ई-रक्तकोष साइट की शुरुआत की गई है। इसके माध्यम से मरीज अपने नजदीकी ब्लड बैंक और वहां रक्त की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि इसके माध्यम से मरीजों को अनावश्यक रूप से भटकना नहीं पड़ता। इस वेबसाइट के मुनाबिक अधिकांश ब्लड बैंक में पॉजिटिव ग्रुप के रक्त का पर्याप्त स्टॉक है। खासकर ए और ओ पॉजिटिव के जरूरतमंद मरीजों को किसी भी ब्लड बैंक से निराश नहीं होना पड़ता। तकलीफ निगेटिव समूह वाले रक्त के जरूरतमंद को होती है क्योंकि इसकी उपलब्धता सामान्यतः कम होती है। खासकर बी और ओ और एबी निगेटिव का स्टॉक कम रहता है। आधिकारिक सूत्रों का यह भी तर्क है कि जिस तरह इन रक्त समूहों की उपलब्धता कम होती है उसी तरह स्टॉक भी कम होता है।

प्लाज्मा प्लेटलेट्स जैसे रक्त संबंधी घटक चार से पांच दिन में खराब हो जाते हैं, इसलिए ब्लड बैंक में इनकी उपलब्धता नहीं होती इसकी व्यवस्था इन हाउस यानी संबंधित हास्पिटलों में ही आवश्यकता के अनुसार डोनरों के माध्यम से कराई जाती है। ब्लड बैंकों में रक्त के साथ उन डोनरों की सूची भी उपलब्ध कराई गई है जो नियमित रूप से रक्तदान करते हैं और आपात स्थिति में

जूनियर इंजीनियर भर्ती पर हाईकोर्ट का फैसला



बिलासपुर। हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने जूनियर इंजीनियर भर्ती से जुड़े एक मामले में कहा है कि चयन प्रक्रिया पूरी होने और अभ्यर्थियों के कार्यभार संपादन के बाद यदि कोई पद इस्तीफे के कारण खाली होता है, तो उसे पुरानी चयन या प्रतीक्षा सूची से नहीं भरा जा सकता। कोर्ट ने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा, इस तरह के खाली पद 'फ्रेश वैकेंसी' माने जाते हैं, जिन्हें भरने के लिए नया विज्ञापन जारी कर नए सिरे से चयन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन और छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड में जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिकल) के पदों पर ओबीसी वर्ग के तहत भर्ती के लिए 15 सितंबर 2023 को

पांच लाख का चेक बाउंस, अब देना होगा दस लाख

बिलासपुर। जिला न्यायालय बिलासपुर में चेक बाउंस के एक मामले में लगभग 6 वर्ष बाद फैसला आया है। न्यायालय ने मंजूषा मानिकपुरी को दोषी ठहराते हुए चेक की राशि के दोगुने के बराबर प्रतिकर/राशि तथा एक माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें मुचलके पर रिहा किया गया। प्रकरण के अनुसार यदुनंदन नगर निवासी रितेश अग्रवाल ने अपने परिचित संतोष मानिकपुरी, जो जमीन एवं मकान के व्यवसाय से जुड़े हैं, को सहायता के लिए वर्ष 2019 में 5 लाख की राशि दी थी। रितेश अग्रवाल के अनुसार लगभग छह माह बाद राशि वापस मांगने पर लगातार टालमटोल की गई। बाद में काफी आग्रह के पश्चात

बिजली कनेक्शन के नाम में छोटी सी गलती सिर्फ आधारकार्ड से ही हो रही ठीक

हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

प्रदेश के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए अपने बिजली कनेक्शन का केवाईसी जरूरी कर दिया गया है। 1 सितंबर से केवाईसी किया जा रहा है। अब तक जहां एक लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं ने अपना केवाईसी करा लिया है, वहीं करीब 50 हजार उपभोक्ताओं का केवाईसी बिजली कनेक्शन और आधारकार्ड के नाम में थोड़ा-सा अंतर होने के कारण केवाईसी नहीं हो पाया है। जिनके भी नाम में छोटी-सी गलती है, उनको किसी भी तरह के दस्तावेज की जरूरत नहीं, सिर्फ आधारकार्ड से ही बिजली



इसके लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

निजी ब्लड बैंक में ज्यादा शुल्क

खून की उपलब्धता के लिए शासकीय ब्लड बैंक में 1100 तथा निजी के लिए 1500 निर्धारित किया गया है। इस शुल्क के माध्यम से रक्त की होने वाली विभिन्न तरकह की जांच की प्रक्रिया, ब्लड बैंक संचालन का खर्च निकाला जाता है। हालांकि निजी ब्लड बैंक अवसरों का फायदा उठाकर जरूरतमंदों से 2 से 3 हजार रुपए तक शुल्क वसूल लेते हैं। इस तरह मौखिक शिकायत अफसरों तक पहुंचती है मगर लिखित नहीं होने की वजह से कार्रवाई नहीं होती।

इनका कहना

तमाम ब्लड बैंकों को ई-रक्तकोष पोर्टल में नियमित रूप से मौजूदा स्टॉक की एंट्री करने की आवश्यकता है। इसके माध्यम से मरीजों को जरूरी समय में अनावश्यक रूप से भटकना नहीं पड़ता है। पिछले दिनों में हुए व्यापक स्तर के रक्तदान से शासकीय ब्लड बैंकों में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

डा. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ रायपुर

सुविधाओं का विस्तार

हृदय रीगियों के हार्ट के कृत्रिम वॉल्व की व्यवस्था हो जाती है मगर रक्त के लिए ऐसी सुविधा नहीं है। इसकी व्यवस्था रक्तदान के माध्यम से हो पाती है। राज्य में शासकीय स्तर पर ब्लड बैंकों की संख्या और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

डा. सत्यनारायण पांडे

प्रभारी रेडक्रास ब्लड बैंक



विज्ञापन जारी किया गया था। इसके बाद 23 अक्टूबर 2024 को चयन सूची जारी की गई, जिसमें भूपेश वर्मा और विकास कुमार गुप्ता सफल नहीं हो सके थे। चयन सूची आने के बाद कई चर्चानित अभ्यर्थियों ने इस्तीफा दे दिया, जिससे कई पद खाली हो गए। पद रिक्त होने की स्थिति में भूपेश वर्मा व विकास कुमार गुप्ता ने विभाग में आवेदन दिया और वेंटिंग लिस्ट से नियुक्ति देने की मांग की। बिजली कंपनी द्वारा उनके आवेदनों पर विचार नहीं किए जाने पर छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर की।

वेंटिंग लिस्ट या फेज-2 सूची जारी नहीं

याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में कहा, परंपरा के अनुसार पहली वेंटिंग लिस्ट या फेज-2 सूची जारी नहीं की गई है। याचिका के अनुसार आरटीआई के जरिए जानकारी मांगने पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिकाकर्ताओं ने संवैधानिक व्यवस्थाओं का हवाला देते हुए कहा, बिजली कंपनी के अधिकारियों का यह कृत्य संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं ने बिजली कंपनी को को पहली वेंटिंग लिस्ट, फेज-2 सूची जारी करने और उपलब्ध रिक्तियों पर उनकी नियुक्ति पर विचार करने का निर्देश देने की मांग की थी।

मंजूषा मानिकपुरी के खाते से 5 लाख का चेक दिया गया। रितेश अग्रवाल द्वारा चेक बैंक में प्रस्तुत करने पर वह बाउंस हो गया। इसकी जानकारी दूधभाष के माध्यम से संतोष मानिकपुरी को दी गई, जिस पर दोबारा चेक लगाने की बात कही गई। दोबारा चेक प्रस्तुत करने पर भी वह बाउंस हो गया। इसके बाद रितेश अग्रवाल ने वर्ष 2020 में न्यायालय की शरण ली। प्रकरण की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष द्वारा परिवादी को दोषी ठहराने का प्रयास भी किया गया, लेकिन न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों व सुनवाई के बाद न्यायालय ने मंजूषा मानिकपुरी को दोषी माना। मामले में रितेश की तरफ से अधिवक्ता योगेश मुदलियार एवं फूलचंद साहू ने पैरवी की।

कनेक्शन में नाम को सुधारा जा रहा है। यह काम राजधानी सहित प्रदेश के सभी बिजली दफ्तरों में चल रहा है। कोई भी बड़ी गलती होने पर ही दस्तावेज लगेगे। बिजली कनेक्शन में केवाईसी के लिए 1 सितंबर से लगातार प्रक्रिया चल रही है। इसमें एक तो उपभोक्ता मोर बिजली एप के माध्यम से केवाईसी कर रहे हैं, दूसरे बिजली दफ्तरों में भी इसके लिए एप डाउनट करवाए हैं। अब मीटर रीडर भी घर-घर जाकर केवाईसी कर रहे हैं। अब तक जो एक लाख से ज्यादा केवाईसी हुए हैं, उसमें 92 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं ने मोर बिजली एप के माध्यम से केवाईसी पूरा किया है। इसकी प्रक्रिया बहुत ही आसान है।

चिंतन

सिर्फ मुनाफाखोरी न करें निजी अस्पताल

स्वस्थ सेवा को सिर्फ मुनाखोरी का कारोबार बनाने की प्रवृत्ति पर गंभीरता से अंकुश लगाने की जरूरत है। इलाज ऐसा बाजार नहीं हो सकता, जहां मरीज की मजबूरी को मुनाफे का अवसर मान लिया जाए। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उसके परिवार के लिए दवा की कीमत जीवन-मरण का सवाल होती है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि जिस कैंसर की दवा की खुदरा कीमत करीब 2,700 रुपये है, उसकी अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी 27 हजार रुपये क्यों है? कीमत में दस गुना का यह अंतर केवल बाजार व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर सवाल है, जिसमें बीमारी से जूझता व्यक्ति सबसे कमजोर स्थिति में होता है। सुप्रीम कोर्ट ने निजी अस्पतालों के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि वे उद्योग की तरह काम कर रहे हैं। अस्पतालों की अपनी फार्मसी से ही दवा खरीदने की मजबूरी हो या दवाओं पर अत्यधिक मार्जिन, हर स्थिति में अंतिम बोझ मरीज पर ही पड़ता है। जब मरीज के पास डॉक्टर की सलाह और अस्पताल की व्यवस्था पर भरोसा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता, तब कीमत को लेकर उसकी सीदेबाजी की क्षमता लगभग समाप्त हो जाती है। यही मजबूरी मुनाफाखोरी को और गंभीर बना देती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि गंभीर बीमारियों का इलाज पहले ही परिवारों की आर्थिक कमर तोड़ देता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी और दूसरी लंबी अवधि की बीमारियों में दवाओं और जांच का खर्च महीनों, कई बार वर्षों तक चलता है। ऐसे में यदि किसी दवा की वास्तविक कीमत और उसकी एमआरपी में कई गुना अंतर हो तो यह केवल बाजार का मामला नहीं रह जाता। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय का विषय बन जाता है। सरकार ने आवश्यक दवाओं की कीमत नियंत्रित करने के लिए ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर-2013 लागू किया है। नेशनल लिस्ट ऑफ एंसेंशियल मेडिसिन्स में शामिल दवाओं के लिए अधिकतम कीमत निर्धारित करने की व्यवस्था है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में ऐसी दवाएं हैं, जिनकी कीमत पर सरकार का सीधा नियंत्रण सीमित है। यहीं से समस्या शुरू होती है। यदि दवा की शुरूआती एमआरपी तय करने में कंपनियों को व्यापक स्वतंत्रता मिले और उसके बाद अस्पताल अपने स्तर पर अतिरिक्त मार्जिन जोड़े, तो मरीज तब पहुंचने-पहुंचते दवा की कीमत कई गुना बढ़ सकती है। इस पूरी शृंखला में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी दवाओं पर अधिकतम 16 प्रतिशत मार्जिन की सीमा तय करने की संभावना पर केंद्र से जवाब मांगा है। आधुनिक चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टर, प्रशिक्षित कर्मचारी और चौबीस घंटे उपलब्ध सेवाओं पर खर्च होता है। इसलिए उचित सेवा शुल्क पर सवाल उठाना उचित नहीं होगा। सवाल तब खड़ा होता है, जब अस्पताल मरीज की मजबूरी को व्यावसायिक लाभ का साधन बना ले। जरूरत ऐसी पारदर्शी व्यवस्था की है, जिसमें दवा की खरीदी कीमत, एमआरपी, अस्पताल का मार्जिन और मरीज से वसूली जाने वाली वास्तविक कीमत स्पष्ट हो। मरीज को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उसे दी जा रही दवा की बाजार कीमत क्या है और अस्पताल उससे कितनी राशि ले रहा है। दवाओं की खरीद में मरीज को विकल्प देना भी जरूरी है। निजी अस्पतालों को मुनाफा कमाने का अधिकार हो सकता है, लेकिन सिर्फ मुनाफाखोरी करने का नहीं।

जयंती पर विशेष

सच्चिदानंद वर्मा



गृहस्थ योगी के सर्वोत्तम उदारहण थे संत लाहिड़ी

19वीं

शताब्दी के दक्षिण के संत त्रैलंग स्वामी जो बनारस में बस गए थे, उनसे उनके एक शिष्य ने पूछा कि आप इतने महान तपस्वी हो कर भी लाहिड़ी महाशय को इतना आदर क्यों देते हैं, त्रैलंग स्वामी का जवाब था कि लाहिड़ी महाशय एक दिव्य बिल्ली के बच्चे के सामान हैं, बिल्ली का बच्चा जैसे उसकी मां जहां उसे रख देती है। वहीं रहता है, उसी प्रकार लाहिड़ी महाशय भी जहां जगजगननी उन्हें रख देती हैं, वहीं करते हैं। कर्तव्यापन को खातिर सांसारिक मनुष्य की भूमिका निभाते हुए भी उन्होंने वह पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर लिया है, जिसे प्राप्त करने के लिए मुझे अपने शरीर से वस्त्र तक त्याग देना पड़ा उनकी प्राप्ति लाहिड़ी महाशय ने गृहस्थ जीवन जीते हुए ही कर ली। यही उनकी महानता है। व्यावसायिक और सामाजिक कर्तव्यों को निभाते निभाते ध्यान धारणा का समय ही कहाँ मिलता है। आज के समय में प्रचलित इस प्रकार के सामान्य प्रतिवादों का खंडन करने के लिए परमहंस योगानन्द ने अपनी पुस्तक ‘योगी कथामृत’, में अपनी आध्यात्मिक यात्रा का वर्णन करते हुए, इस महान गुरु के जीवन से विश्व को परिचित कराया है। योगावतार के नाम से प्रसिद्ध लाहिड़ी महाशय न तो कोई संन्यासी थे और न ही कोई विरक्त। वे एक विवाहित गृहस्थ थे, जिनके पास परिवार और नौकरी की तमाम जिम्मेदारियां थीं। उनका जीवन यह सिखाता है कि सांसारिक दायित्वों को निभाते हुए भी व्यक्ति ईश्वर को प्राप्त कर सकता है और उच्च आध्यात्मिक अवस्था तक पहुंच सकता है। कमल के समान इस संसार की दलदल से पृथक, आंतरिक वैराग्य के साथ ईश्वरीय चेतना से रहने वाले इस महान गुरु ने आश्चर्य किया कि ईश्वर की प्राप्ति आम प्रयास से ही संभव है। इस महान गुरु का जन्म 30 सितम्बर 1828 को योगावतार श्यामाचरण लाहिड़ी (1828-1895) के रूप में घुरणी, बंगाल में हुआ था। सन 1846 में उनका विवाह काशीमाणिक के साथ हुआ। इसके बाद उन्होंने वैदिक अनुशासन के अनुसार गृहस्थाश्रम का पालन किया। इस विवाह युति से चार सन्तानों का जन्म हुआ। उन्होंने वाराणसी के पवित्र नगर में एक अकाउंटेंट के रूप में साधारण जीवन व्यतीत किया। 37 साल की आयु में सन 1861 में हिमालय के रानीखेत पर्वतों में अमर गुरु महावतार बाबाजी से पहली बार उनकी भेंट हुई थी। यह भेंट वस्तुतः गुरु और शिष्य के मध्य विद्यमान शाश्वत बन्धन का पुनर्जागरण था। बाबाजी ने श्यामाचरण को क्रियायोग की पवित्र दीक्षा प्रदान की। युवा लाहिड़ी महाशय गुरुदेव के चरणों में निरन्तर सात दिनों तक निर्विकल्प समाधि के आनन्द में निमग्न रहे। आठवें दिन उन्होंने बाबाजी से प्रार्थना की कि वे उन्हें उन निर्जन पर्वतों में सदैव अपने साथ ही रहने दें। लेकिन बाबाजी ने उनसे कहा कि तुम्हारा जीवन आदर्श गृहस्थ-योगी का उदाहरण बनकर शहरों की भीड़भाड़ के बीच रहने के लिए है। तुम्हें सच्चे जिज्ञासुओं को क्रियायोग के माध्यम से आध्यात्मिक दिलासा देने के लिए चुना गया है। लाहिड़ी महाशय ने सच्चे जिज्ञासुओं अमीर-गरीब, राजा-रंक, या ऊंच-नीच का भेद किए बिना सभी को क्रियायोग में दीक्षित करना आरम्भ किया। यह प्राचीन प्रविधि, जैसा कि परमहंस योगानन्द ने कहा है, सीधे प्राण-शक्ति पर काम करती है, शारीरिक क्षय को धीमा करती है और आध्यात्मिक उन्नति को तीव्र करती है। लाहिड़ी महाशय ने गृहस्थ जीवन का अनुसरण करते हुए संतुलित जीवन का सर्वोत्तम उदाहरण आज के युग के लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। ईश्वर की आंखों में तो वे सिद्ध पुरुष थे ही, साथ ही मानव जीवन के नाटक में भी उन्होंने पूर्ण सफलता प्राप्त की थी। योगावतार के रूप में अत्यन्त सम्मानित, लाहिड़ी महाशय ने संसार को क्रियायोग की एक स्थायी विरासत प्रदान की, जो एक ईश्वर-प्रदत्त सुख की प्रविधि है। लाहिड़ी महाशय के डायरियों पर आधारित एक पुस्तक पुराण पुरुष में यह संभावना जताई गई है साई बाबा लाहिड़ी महाशय से क्रिया दीक्षा लेकर शिरडी चल गए थे। इसी पुस्तक के अनुसार उनसे मुस्लिम शिष्य अब्दूल गफूर, हलबाई चिंदा जैसे गरीब लोग भी थे, वहीं काशी नरेश, ईश्वरी प्रसाद, नेपाल नरेश,कश्मीर नरेश व वर्धमान के राजा कालीकृष्ण ठाकुर जैसे बड़े लोग भी शिष्य थे। लाहिड़ी महाशय के प्रमुख शिष्यों में से एक थे ज्ञानावतार स्वामी श्रीयुक्तेश्वर, जो गहन ज्ञान के धनी थे और जो बाद में परमहंस योगानन्द के गुरु बने। परमहंस योगानन्द क्रियायोग विज्ञान के विश्व के महानतम प्रचारक हैं। ये सभी वृत्तांत दर्शाते हैं कि लाहिड़ी महाशय केवल एक योगी नहीं थे, बल्कि आधुनिक युग के योगावतार थे जिन्होंने गृहस्थ जीवन को आध्यात्मिक साधना का सर्वोत्तम उदाहरण बनाया।

(लेखक स्वर्णि पत्रकार व स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



फैसला

रितीश उपाध्याय



पुलिस की गिरफ्तारी किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा असर डालती है, इसलिए कानून ने इसके लिए स्पष्ट सुरक्षा प्रावधान तय किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हालिया फैसले में इन अधिकारों को और स्पष्ट करते हुए कहा है कि गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी का आधार लिखित रूप में और समझ आने वाली भाषा में बताना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी को असंवैधानिक माना जा सकता है। अदालत ने 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की संवैधानिक बाध्यता भी रेखांकित की है। यह फैसला आम नागरिक को पुलिस कार्रवाई के दौरान मिले अधिकारों और पुलिस की जवाबदेही, दोनों को समझने के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

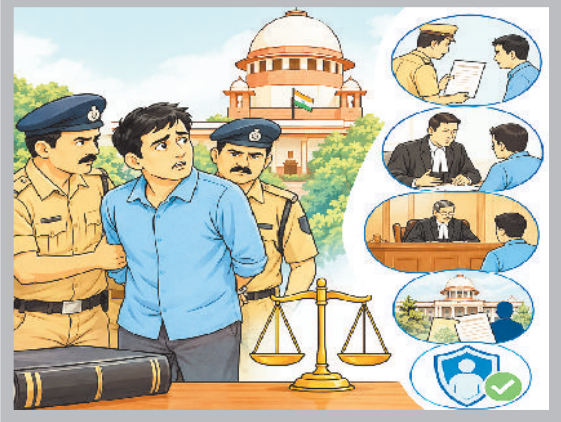
गिरफ्तारी में न हो अधिकारों का हनन

क्या

आप जानते हैं कि अगर पुलिस आपको गिरफ्तार करने पहुंचे, तो आपके पास भी कुछ कानूनी अधिकार होते हैं? इसके साथ ही गिरफ्तारी के दौरान पुलिस को भी कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला आम आदमी के गिरफ्तारी से जुड़े अधिकारों की रक्षा के लिहाज से काफी अहम है। देश का सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर भारतीय संविधान के संरक्षक की भूमिका निभाता रहा है। कई मौकों पर आम नागरिक के मूल अधिकारों की रक्षा के लिए कई अहम फैसले लेता रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा है कि बिना लिखित आधार बताए की गई गिरफ्तारी असंवैधानिक और अवैध मानी जाएगी। सरल शब्दों में कहें तो यदि गिरफ्तारी का आधार आरोपी को लिखित रूप में नहीं दिया जाए तो वह गिरफ्तारी असंवैधानिक होगी और इसमें शामिल पुलिस अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई होगी। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को फटकार लगाते हुए असंवैधानिक गिरफ्तारी पर महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक दिशा-निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां एवं न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदरकर की पीठ ने जसकरण जीत सिंह बनाम पंजाब राज्य में यह स्पष्ट किया है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत यदि गिरफ्तारी का कारण आरोपी को लिखित रूप में उपलब्ध नहीं कराया जाता है तो वह गिरफ्तारी अवैध एवं असंवैधानिक होती है, और किसी भी तरह का निर्देश उल्लंघन गिरफ्तार व्यक्ति की तत्काल रिहाई का कारण बनेगा। साथ ही इस प्रकरण में शामिल पुलिस अधिकारियों पर विभागीय कार्रवाई भी होगी। न्यायालय ने यह सुरक्षा अट्छेद 22(2) तक भी इसे विस्तारित किया है। अनुच्छेद 22(2) के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे के अंदर निकटतम न्यायिक (यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर) मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित कराना आवश्यक है और यह आरोपी का अधिकार है।

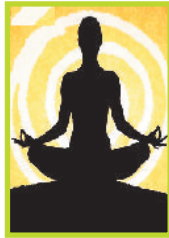
जसकरण जीत सिंह को एक नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में पॉक्सो एक्ट 2012 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया था। जब उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया तो मजिस्ट्रेट ने मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र राज्य (2025) के निर्णय को आधार बनाकर इस गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया और उनकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया। इसका कारण यह था कि पुलिस ने हिरासत में लेते समय आरोपी को लिखित में कारण नहीं बताया था। मजिस्ट्रेट

ने यह स्पष्ट किया कि संवैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद जांच एजेंसी उन्हें हिरासत में ले सकती है। जब यह मामला माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय पहुंचा तो न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी। आरोपी ने इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। न्यायालय ने यह साफ कर दिया है कि गिरफ्तारी का आधार लिखित रूप में और ऐसी भाषा में उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जिसे आरोपी समझ सकता हो। न्यायालय ने कहा कि इस अधिकार के किसी भी हनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्यायालय के अनुसार गिरफ्तारी का कारण न बताने की वजह से अगर आरोपी



को रिहा किया जाता है और उसके बाद जांच एजेंसी को आरोपी की हिरासत में पूछताछ आवश्यक लगती है, तो पहले लिखित रूप में गिरफ्तारी के आधार स्पष्ट करने होंगे। इसके बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पुनः हिरासत हेतु आवेदन देना होगा। इस आवेदन में पुनः गिरफ्तारी की आवश्यकता और पहली गिरफ्तारी में आधार न बताए जाने का कारण लिखना होगा। ऐसे आवेदन पर संबंधित पुलिस अधिकारी को तत्काल वरिष्ठ अधिकारी का अनुमोदन भी आवश्यक होगा। ऐसे दोषी पुलिस अधिकारी के विरुद्ध अनिवार्य विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। न्यायालय ने साथ में यह भी कहा कि मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों के आकलन के पश्चात उच्च न्यायालय अनुच्छेद 22(2) के उल्लंघन के लिए लोक विधि संबंधी उपचार के रूप में क्षतिपूर्ति देने के निर्देश भी दे सकता है। भारत के संविधान ने अनुच्छेद 22(1) के तहत हर व्यक्ति, चाहे वह भारत का नागरिक हो या ना हो, उसे गिरफ्तारी संबंधित मौलिक अधिकार दिए हैं। यदि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी होती है तो उसे उसकी गिरफ्तारी के कारणों से अतिश्रीष्ट

हम अपने भीतर अच्छा स्वास्थ्य कैसे लाएं ?



संकलित

दर्शन

क्या आप सचमुच स्वस्थ हैं? स्वास्थ्य का अर्थ है, रोग-मुक्त शरीर, कंपन-मुक्त श्वास, तनाव-मुक्त मन, संकोच-मुक्त बुद्धि, आसक्ति-मुक्त स्मृति, समावेशी अहंकार और दुःख से मुक्त आत्मा। समग्र स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, श्वास और ध्यान का अभ्यास आवश्यक है। श्वास ही जीवन है। हमारा जीवन हमारी श्वास में है। यदि कोई श्वास नहीं ले रहा, तो इसका अर्थ है- वहां जीवन नहीं है। ध्यान, प्राणायाम और योगिक अभ्यासों का मुख्य उद्देश्य प्राण या जीवन ऊर्जा को बढ़ाना है। दरअसल प्राण भावनाओं से भी अधिक सूक्ष्म होता है। जब हम सूक्ष्म स्तर पर ध्यान देते हैं, तो स्थूल स्वतः ठीक हो जाता है। जब आप श्वास को संभालते हैं, तो शरीर स्वस्थ हो जाता है। यदि आपकी श्वास गरम, हिलती-डुलती, असमान या असहज है, तो यह रोग का संकेत है। श्वास का पैटर्न शरीर में उपस्थित विषाक्त तत्वों और संभावित रोगों की सूचना देता है। हमारी श्वास में अनेक रहस्य छिपे हैं। क्योंकि मन की हर भावना के साथ श्वास की एक विशेष लय जुड़ी होती है। हर लय शरीर के किसी विशेष भाग को प्रभावित करती है। जरा ध्यान से देखें। जब हम प्रसन्न होते हैं तो विस्तार का अनुभव होता है और जब दुखी होते हैं तो संकुचन का। हम इन अनुभूतियों को तो महसूस करते हैं, पर उनके बीच संबंध को नहीं पहचानते। इसलिए जब आप सीधे मन को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हों, तो श्वास के माध्यम से मन को नियंत्रित किया जा सकता है।

अंतर्गमन

केजरीवाल सरकार पर आग बबूला हुए

आज की पाती

गलत खान-पान का शिकार होता दिल

स्वास्थ्य ही सच्चा धन होता है, लेकिन अफसोस आज हमने आधुनिकता और नौतिकतावाद की ओं धौड़ में इस सच्चे धन की परवाह करना ही छोड़ दिया है, इस कारण आज दुनिया में जानलेवा बीमारियों का दायरा बढ़ता जा रहा है, विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनियाभर में बहुत से लोगों की मौत हार्ट अटैक से होती है। आज दुनियाभर में दिल की बीमारी के मरीजों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है और इसका शिकार अब उम्रदराज लोग ही नहीं, बल्कि युवा और बच्चे भी हो रहे हैं। अगर दिल की बीमारियों से बचना है तो इसके लिए सबसे पहले अपने खान-पान और जीवनशैली पर ध्यान देना होगा, चिंता और तनाव से बचना होगा, प्रकृति के साथ जुड़ना होगा और साफ सफाई का भी खयाल रखना होगा।

- पंकज वर्मा, बलौदाबाजार

करंट अफेयर

एआई सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं ‘फर्जी खबरें’ नहीं : पोप लियो

पोप लियो-14 ने सोमवार को कहा कि कुत्रिम मेधा (एआई) के अनियंत्रित होने की चिंताएं ‘फर्जी खबरें’ नहीं हैं और इन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। पोप लियो ने इस बात पर बल दिया कि एआई विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर चर्चा की जानी चाहिए और उन्हें दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए। पोप ने अपना पहला पोप परिपत्र (एन्साइक्लिकल) एआई और इसके प्रभाव से ‘मानवता की रक्षा’ करने के विषय को समर्पित किया था। फ्रांस से लौटते समय विमान में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान उनसे पूछा गया कि एआई को मानवता के लिए विनाशकारी जोखिम बनने से रोकने के लिए विशेष रूप से अमेरिका और चीन को क्या कदम उठाने चाहिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एआई के अनियंत्रित होने की चिंताओं को महज ‘हवा’ बता चुके हैं। फ्रांस की यात्रा से लौट रहे पोप ने पत्रकारों से कहा, ‘मुझे लगता है कि यह ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। हम हाथ पर हाथ रखकर यह नहीं मान सकते कि कुछ नहीं होने वाला है। ट्रंप एआई तकनीक के प्रबल समर्थक रहे हैं और अक्सर कहते रहे हैं कि इस प्रौद्योगिकी की दौड़ में अमेरिका को चीन से आगे रहना चाहिए।



ऑफ बीट

क्या मोबाइल को पूरी रात चार्ज करना सुरक्षित है?

सोने का समय हो गया है। आपने अलर्म लगाया और देखा कि आपके फोन की बैटरी केवल 23 प्रतिशत रह गई है, तो आपने उसे बिस्तर के पास चार्जर से जोड़ा और सो गए। सुबह तक फोन करीब सात-आठ घंटे चार्जर से जुड़ा रहा जबकि उसे 100 प्रतिशत तक पहुंचने में, खासकर फास्ट चार्जर से चार्ज करने पर इतना समय लगाने की जरूरत नहीं थी। शायद यह बात आपके जहन में हो कि फोन को इस तरह लंबे समय तक चार्ज करने से उसकी बैटरी खराब हो सकती है। ‘लिथियम-आयन’ बैटरियों को दोबारा चार्ज करने योग्य बनाने वाली रासायनिक प्रक्रिया की एक सीमित उम्र होती है और बार-बार चार्ज-डिस्चार्ज होने के चक्र से यह उम्र कम होती जाती है। पहले सलाह बिल्कुल स्पष्ट हुआ करती थी कि फोन को रातभर चार्जिंग पर न छोड़ें और बैटरी की उम्र बढ़ाने के लिए उसे 100 प्रतिशत तक चार्ज करने से बचें। आदर्श रूप से बैटरी को 20 प्रतिशत से 80 प्रतिशत के बीच रखना चाहिए। सैद्धांतिक रूप से यह सलाह अब भी सही है, क्योंकि आपके फोन के भीतर मौजूद बैटरी की मूल रासायनिक संरचना में बदलाव नहीं हुआ है। बैटरी को बार-बार पूरी तरह शून्य प्रतिशत तक खत्म करना और फिर 100 प्रतिशत तक चार्ज करना उसकी उम्र कम कर देगा।



संकलित

प्रेरणा

एक गरीब व्यक्ति अर्जुन के पास पहुंचा और बोला कि कोई चोर उसकी गाय चुराकर ले गया है। मेरी मदद करें। अर्जुन उस व्यक्ति की मदद के लिए अपने धनुष-बाण लेने युधिष्ठिर-द्रौपदी के कमरे में चले गए। अर्जुन ने उस गरीब की मदद तो कर दी, लेकिन पांडवों का बनाया हुआ नियम तोड़ दिया। ये नियम तोड़ने के लिए अर्जुन को वनवास जाना पड़ा। अर्जुन 12 वर्षों के लिए अकेले ही वनवास के लिए निकल पड़े थे। वे वन-वन घूम रहे थे। अर्जुन ने तय किया कि मुझे इस वनवास में तपस्या करके अपने व्यक्तित्व को और निखारना चाहिए। उन्होंने सोचा कि मुझे वन में दुखी नहीं होना चाहिए, बल्कि नए लोगों से मिलकर कुछ नया सीखना चाहिए। वनवास में एक श्रीकृष्ण और अर्जुन की मुलाकात हुई। अर्जुन ने पूरी बात श्रीकृष्ण को बता दी। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम मेरे साथ द्वारका चलो। अर्जुन ने कहा कि मुझे तो वनवास में ही रहना है। मैं वन से बाहर नहीं जा सकता। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि वन में घूमो और नए-नए स्थानों का, नई-नई विद्याओं का ज्ञान प्राप्त करो। जब हम यात्रा में होते हैं, तब हमें लगातार नया सीखते रहने की कोशिश करनी चाहिए। तभी यात्रा का लाभ मिल सकता है। वन तो तुम देख चुके हों, अब मैं तुम्हें द्वारका इसीलिए ले जा रहा हूँ, ताकि तुम एक ऐसी नगरी देख सको, जहां तुम्हें और सदैव बातों सीखने को मिलेगी। द्वारका में योग में भाग और भाग में योग देखने को मिलेगा। तुम्हें द्वारका में बहुत बड़ा संदेश मिलेगा। श्रीकृष्ण की बातें मानकर अर्जुन द्वारका चले गए।



बहुत-बहुत बढ़ाई, चैंपियन!

नीरू को हार्दिक बधाई, जिन्होंने एशियन गेम्स में महिला टेबल टेनिस व्यक्तिगत रूपार्थ में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। आपकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरे देश को गर्व है। बहुत-बहुत बधाई, चैंपियन!

-अमित शाह, गृह मंत्री



अनाज उत्पादन लक्ष्य तय

अल नौनो सेके वैज्ञानिक आकलन के आधार पर, फखल वर्ष 2026-27 के लिए 37 करोड़ 39.3 लाख टन का कुल राष्ट्रीय अनाज उत्पादन लक्ष्य तय किया गया है, जिसमें रबी सत्र का 17 करोड़ 77.2 लाख टन का लक्ष्य शामिल है। -शिवदाज सिंह चौहान, कृषि मंत्री



'वोट चोरी' हो रही

देरा में चुनावों में ईवीएम और मतदाता सूची से जुड़ी तैय फिफिखण हो रही है, जिसके खिलाफ पार्टी को संसद से लेकर सड़क तक विशेष के साथ-साथ प्रतिरोध के रास्ते से पीछे नहीं हटना चाहिए। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा खुलेआम 'वोट चोरी' को अंजाम दिया गया है। -राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद



समार्योजित होंगे अग्निवीर

गुजराट ने फैसला किया है कि अग्निवीरों को राज्य सरकार के पुलिस और इली तरह के अन्य पदों पर समायोजित किया जाएगा। उन्हें वेबपार मॉर्ती परीक्षा देने या नया प्रशिक्षण लेने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि वे चार साल की सेवा के दौरान पहले ही परीक्षा और प्रशिक्षण से गुजर चुके हैं। -रेवेंट फजलानी, सीएम गुजराट



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन : 401050, 271016, फैसल-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

Dr. Juneja's®

पेट सफा

NATURAL LAXATIVE TABLETS

EVERY MORNING FRESH MORNING

NO.1 BRAND

₹120 30 Tablets

अगर आप भी कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए हैं, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफ़ा टैबलेट्स। पेट सफ़ा टैबलेट की आदत भी नहीं पड़ती और यह पहली रात से असर दिखाती है।

यहाँ से भी खरीदें amazon | Flipkart | blinkit | zepto

24x7 Helpline: 91197 88888 • www.petsaffa.com • Available at all medical & general stores

कब्ज गैस एसिडिटी

TABLETS

पेट सफा

NATURAL LAXATIVE TABLETS

पार्टी अध्यक्ष खड़गे की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक कांग्रेस ने देशभर में ‘वोट चोरी’ के खिलाफ किया आंदोलन का ऐलान

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपनी शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मंगलवार को फैसला किया कि ‘वोट चोरी’ के खिलाफ इस मुद्दे को लेकर देशभर में आंदोलन चलाया जाएगा और इसमें दूसरे विपक्षी दलों का भी सहयोग लिया जाएगा।

एजेसी ►► नई दिल्ली

बैठक में कांग्रेस ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से ‘अंपायर’ बनकर चुनावों में ‘मैच फिक्सिंग’ करने का आरोप लगाया और कहा कि कुमार को पद से हटाए जाने के साथ ही प्रधानमंत्री को भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। राजधानी दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में आयोजित

लगाया आरोप, सीईसी ज्ञानेश को ‘अंपायर’ बनाकर चुनावों में कराई गई ‘मैच फिक्सिंग’

बैठक में पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। खड़गे ने कार्य समिति की बैठक में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग उठाई।

बैठक में पारित प्रस्ताव में भी कहा गया कि प्रधानमंत्री को ‘नैतिकता के आधार पर’ त्यागपत्र दे देना चाहिए। कार्य समिति के प्रस्ताव में कहा गया कि पार्टी मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तत्काल इस्तीफे की मांग करती है, जिन्होंने कांग्रेस के अनुसार अपने ‘सभी नैतिक और संस्थागत अधिकार’ खो दिए हैं।

यह लाया गया प्रस्ताव

प्रस्ताव में आरोप लगाया गया, ‘प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के इशारे पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा खुलेआम ‘वोट चोरी’ को अंजाम दिया गया है। कांग्रेस ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से कम कुछ भी पर्याप्त नहीं होगा। कार्य समिति ने कहा कि भाजपा और उसके द्वारा चुने गए अधिकारियों को समझ लेना चाहिए कि जनता के मताधिकार से कथित छेड़छाड़ का जवाब दिए बिना नहीं छोड़ा जाएगा। पार्टी ने कहा कि वह संसद, अदालतों और सड़कों पर तब तक अपना विरोध और प्रतिरोध करेगी जब तक वोटियों को ढंढित नहीं किया जाता, प्रत्येक नागरिक का वोट सुरक्षित नहीं हो जाता और निर्वाचन आयोग को एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के रूप में पुनर्स्थापित नहीं किया जाता।

मोदी-शाह के निर्देश के बिना कुछ नहीं कर सकते ज्ञानेश : बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, ‘ज्ञानेश कुमार सिर्फ एक टूल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश के बिना वह कुछ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री की नैतिक जिम्मेदारी बनती है, इसलिए हम प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कार्य समिति की बैठक में ‘वोट चोरी’ विषय पर अपने विचार रखे तथा जोर दिया कि वह और कांग्रेस संसद से सड़क तक अपना विरोध और प्रतिरोध जारी रखेगी।

पाक : टीटीपी के सात आतंकवादी मारे

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में मंगलवार को अलग-अलग खुफिया-आधारित अभियानों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सात आतंकवादी मारे गए। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के खैबर जिले के बारा इलाके में सुरक्षा अभियान के दौरान पांच आतंकवादी मारे गए, जबकि बलूचिस्तान के चगाई जिले में दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि बारा में मारे गए आतंकवादियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया तथा अभियान के दौरान उनके ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, मारे गए आतंकवादी प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े थे।

गुजरात हाईकोर्ट ने जुर्माना भी रखा बरकरार

एजेसी ►► नई दिल्ली

गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल की अपील खारिज कर दी। साथ ही कोर्ट ने केजरीवाल पर लगे 25 हजार रुपये के जुर्माने को भी बरकरार रखा। इस मामले में कोर्ट ने 24 सितंबर 2026 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस डीए रे की बेंच ने कहा कि केंद्रीय सूचना आयोग के 2016 के निर्देश को रद्द करने और केजरीवाल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाने वाले फैसले में हस्तक्षेप करने का

पीएम मोदी की डिग्री मामले में केजरीवाल की अपील खारिज

कोई आधार नहीं है। हाईकोर्ट की सिंगल जज की बेंच ने 31 मार्च 2023 को अरविंद केजरीवाल पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था और आरटीआई के प्रावधानों का गलत इस्तेमाल को लेकर फटकार लगाते हुए कहा था कि उनका रवैया कैजुअल था। सिंगल बेंच के इस फैसले के खिलाफ केजरीवाल को हाईकोर्ट की डबल बेंच में याचिका दायर की थी।

यह है मामला

साल 2016 में केजरीवाल ने सेंट्रल इंफॉर्मेशन कमीशन (सीआईसी) को चिट्ठी लिखकर मांग की थी कि प्रधानमंत्री की डिग्री सार्वजनिक की जानी चाहिए। अप्रैल 2016 में सीआईसी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी और गुजरात यूनिवर्सिटी को निर्देश दिया था कि पीएम मोदी की डिग्री से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएं। सीआईसी के फैसले के खिलाफ यूनिवर्सिटी हाईकोर्ट पहुंच गई थी। तीन महीने बाद हाई कोर्ट ने सीआईसी के आदेश को तब रद्द कर दिया था। मई 2016 में गुजरात यूनिवर्सिटी के तत्कालीन वाइस चांसलर एमएन पटेल ने घोषणा की थी कि पीएम मोदी ने पॉलिटेक्निक साइंस में 1983 में **MA** किया और उन्हें एक्स्टर्नल स्टूडेंट के तौर पर 62.3 फीसदी अंक मिले थे। अपनी वेबसाइट पर डिग्री डालने के साथ-साथ गुजरात यूनिवर्सिटी ने सीआईसी के आदेश को भी चुनौती दी थी।

म्यांमार सेना की अपने ही देश में एयरस्ट्राइक, 49 की मौत

रखाइन राज्य को बनाया निशाना, विद्रोही गुट के कब्जे में है यह इलाका

एजेसी ►► नेपीद

म्यांमार की सेना ने सोमवार को पश्चिमी रखाइन राज्य में एक बाजार के पास एयरस्ट्राइक की। इसमें कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 58 लोग घायल हुए हैं। यह इलाका ताकतवर विद्रोही संगठन अराकान आर्मी के कब्जे में है। हमले के वक्त बाजार में दुकानदारों और ग्राहकों की भीड़ थी। अराकान आर्मी ने हमले में लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है अराकान आर्मी के मुताबिक, सेना के लड़ाकू विमान ने बाजार के पास दो बम गिराए। घायलों में 22 की हालत गंभीर है। हालांकि, म्यांमार की सेना ने हमले पर कोई बयान नहीं दिया है।

2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से संघर्ष जारी

म्यांमार में 1 फरवरी 2021 को सेना ने आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटा दिया था। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। सुरक्षा बलों ने इन प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाया, जिसके बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए। तब से देश के बड़े हिस्से में संघर्ष जारी है।

अराकान आर्मी ने दी बदले की चेतावनी

अराकान आर्मी ने मंगलवार तड़के जारी बयान में कहा कि वह हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और संगठनों के खिलाफ जल्द जवाबी कार्रवाई करेगी। संगठन ने आरोप लगाया कि जानबूझकर किए गए हवाई हमलों में बड़ी संख्या में आम लोगों की जान गई है। म्यांमार की सेना ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, सेना पहले कहती रही है कि उसके हवाई हमलों का निशाना केवल सैन्य ठिकाने होते हैं। वह सैन्य शासन का विरोध करने वाले संगठनों पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप भी लगाती रही है।

LOVED IN 100 COUNTRIES

नया पल्सर 125

OG, नए अवतार में. TFI के साथ.

150cc में भी

₹93 900/- से शुरू

5" TFT कंसोल गूगल मैप्स के साथ

मोनोशॉक सस्पेंशन

बेहतरीन LED हेडलैम्प

3 राइड मोड्स

पारंभिक ऑफर पल्सर राइडिंग जैकेट पाएं*

*जुनिदा पल्सर 150 मॉडल पर सीमित अवक के लिए ऑफर. ज़िंदग और शत लागू.

Flipkart

amazon.in

पर भी उपलब्ध*

10 YEAR WARRANTY

BAJAJ SECURE AMC + ROAD SIDE ASSISTANCE

72198 21111

BAJAJ

WORLD'S FAVOURITE INDIAN

पल्सर

DEFINITELY DARING

स्कैन करें

Authorized Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Bilaspur: Tifra Over bridge TRIPUR BAJAJ 9752133444, 9754033444 • Naya Sarkanda KHANDLWAL BAJAJ 9300998989, 9165555222 • Old Bus Stand TRIPUR BAJAJ 7999848912, • Mungeli : KHANDLWAL BAJAJ 9399021705, 07755299124 • Lormi : KHANDLWAL BAJAJ 9399021701 • Ambikapur LAXMI BAJAJ 9074816511, 9754830536 • Jangir SHREE SALASAR BAJAJ 9179981000 • Champa 8319235702 • Korba TIRUPATI BAJAJ 6232103042, 7879313041 • Dipka TIRUPATI BAJAJ 9302444204, Jamnigali TIRUPATI BAJAJ 6232123757 • Raigarh JINDAL BAJAJ 9589905646,7067109202 • Jashpur JINDAL BAJAJ 8817775566, Baikunthpur KOREA BAJAJ 9752949291.



परब विशेष
डा. ज्योति किरण चंद्राकर

अंचल में पितरों को स्मरण करते हैं पितृ तर्पण से

आश्विन माह में पितृपक्ष का विशेष महत्व हिंदू धर्म में माना जाता है। पितृ पक्ष में पूर्वजों को विधि-विधान से तर्पण करना पितृ तर्पण कहलाता है। छत्तीसगढ़ में विधि विधान से पितृ तर्पण अश्विन माह के कृष्ण पक्ष में पूर्णिमा से अमावस्या तक 15 दिनों तक किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पूर्वज कुटुम्ब जनों से मिलने स्वर्ग से धरती पर आते हैं, व उन्हें आशीर्ष देते हैं। पितृ पक्ष के पहले दिन को पीतर बैसकी व अंतिम दिन को पीतरखेदा कहा जाता है। पितृ पक्ष में कोई मांगलिक कार्य नहीं किया जाता। तथा महिलाओं को नई साड़ी, नया आभूषण, नई चूड़ी पहनना वर्जित होता है। साथ ही गर्म पानी में कपड़े डूबाना, सूज जतली बजाना, पटक कर कपड़ा धोना



निषिद्ध होता है। प्रथम बार पितृ तर्पण करने को पीतर मिलाना कहा जाता है। सभी महिलाओं का तर्पण नवमी के दिन किया जाता है जिससे मातृनवमी कहा जाता है। पितृपक्ष के प्रथम

दिन से पूरे 15 दिनों तक प्रातःकाल ओरी लीपा जाता है। घर के आँगन में गोबर से चौकोर लिपकर चौवल आटे से चौक बनाकर फूल वह भीगी उड़द के दाल को छिड़क कर लोटे में पानी रखा जाता है, व पितरों का आह्वान व पूजन किया जाता है। बड़ा, पूरी व मालपुआ का छोटा-छोटा टुकड़ा छप्पर में भी रखा जाता है, ताकि कौवा व अन्य पक्षी पितर के रूप में आकर ग्रहण करें। पितृपक्ष के 15 वे दिन को पीतरखेदा कहा जाता है, जो कि अमावस्या के दिन पड़ता है। इस दिन 15 दिनों का होम, बड़ा, बोबरा व पूरी को पोटरली में बाँधकर उसमें पैसे डालकर तालाब में विसर्जित किया जाता है। ऐसा लोक विश्वास है कि यह सामग्री पितरों को प्राप्त होता है।

शिलाचित्र

डा. आशीषधर दीवान

एक अलग पहचान है बसनाझर शिलाचित्र की

बसनाझर शिलाचित्र में पशु पक्षियों के चित्रों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है। इस वर्ग में भागते हुए हिरण, नीलगाय, सांभर, हाथी, गेंडा, खरगोश, चूहे, बकरी, बैल, गोह, छिपकली, वराह आदि के चित्र हैं। इन चित्रों की विशेषता है कि इनमें गतिशीलता झलकती है। एक स्थान पर मानव द्वारा दौड़ाते हुए हिरण को शिकार का चित्रण बहुत ही सुन्दर है। यहाँ पर हिरण को गतिमान प्रदर्शित किया गया है। उसके सामने मानव खड़ा है, उसके दाहिने हाथ में भाले की आकृति का शस्त्र लिए हिरण पर आक्रमण कर रहा है। एक अन्य स्थान पर जंगली सूअर का मानव के प्रति भयभीत होने का भाव दर्शाया गया है। मानव की आकृति आयताकार रूप में प्रदर्शित की गई है तथा शरीर को काटती हुई आकृतियों से भरा गया है, मानवों के दोनों हाथ भय के कारण फैले हुए हैं। यह स्थल अनेक तरह के चित्रों से भरा पड़ा है जो कुछ न कुछ सन्देश देते प्रतीत होते हैं। आज भी यह स्थल दर्शनीय और शोभनीय है तथा रहस्यों को जानने और समझने दूर दूर से लोग आते रहते हैं।

लोक साहित्य

जीवन यदु

लोक साहित्य में भावों की अभिव्यक्ति

लोक साहित्य

जीवन यदु

लोक साहित्य में भावों की अभिव्यक्ति

व्यक्ति रचित रचना समूह के कठों से होती हुई अपने वास्तविक रूप से अलग हो जाती है। वस्तुतः लोक साहित्य भी व्यक्तियों द्वारा रचा जाता है। परन्तु वह रचयिता व्यक्ति अपने सम्पूर्ण क्षेत्र, समाज का प्रतिनिधि मात्र होता है। यदि लोक समाज भाव राशि है तो रचयिता व्यक्ति अभिव्यक्ति का माध्यम प्रायः लोक गीतों की मंडली में देखा जाता है कि एक व्यक्ति स्वर उठाता है और शेष श्रोता समाज उसे सहारा देता चलता है। समूह अपनी अपनी स्थितियों के मुताबिक उस रचना में शब्द जोड़ता तोड़ता है। उदाहरण के तौर पर छत्तीसगढ़ क्षेत्र में गाए जाने वाले ददरिया लोक गीत की पंक्तियाँ रखी जा सकती हैं। आजादी के पूर्व उस गीत की पंक्तियाँ थी -

चढ़े बमलाई दिखत हे हरियर।
पान वाला नई दिखय बदे हो नरियर।
आजादी के बाद देश की स्थितियों में परिवर्तन आया। कई उतार चढ़ाव आए तो यह गीत निम्न तरह गाया जाने लगा -

चढ़े बमलाई दिखत हे हरियर।
टोपी वाला नई दिखय बदे हो नरियर।

नीचे की पंक्ति में केवल एक शब्द ही बदला है, लेकिन व्यंजना पूरी तरह बदल गई है। पर्वतीय इलाके और वन स्थलों में इस गीत में चढ़े बमलाई के स्थान पर डोंगरी पहाड़ मिलता है। लोक साहित्य के लम्बे कथात्मक गीतों में गायक अपने अनुसार शब्द डालते चलते हैं, उन्हें केवल गीत की धुन और शब्द याद रहती है। वे वर्तमान स्थितियों को कथा के भूतकाल से मिलाते हुए चलते हैं। इस तरह इसमें होने वाले परिवर्तन काल के दोनों आयाम अतीत और वर्तमान का स्पष्ट करते हैं।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें - Choupalharibhoomi@gmail.com

संस्कृति

राम कुमार वर्मा

'बि'ना पाल के नौका और बिना पतवार डोंगा के डोंगहार के डोंगा की स्थिति सदैव डगमगाने की होती है। थोड़ी-सी पानी की धारा व लहरों वह उसकी दिशा बदल जाती, पानी में डूब भी जाती है। ऐसे में यात्री अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते हैं। यही स्थिति मुखिया के बिना घर-परिवार की भी होती है। घर के कुशल संचालन, बच्चों की देखरेख, घर की सुख-समृद्धि के लिए निरंतर कामकाज करने की प्रेरणा देने के लिए एक मुखिया की आवश्यकता होती है। इसी बात को ध्यान रखते हुए हमारे पुरखों ने किसी घर के मुखिया की आकस्मिक मृत्यु हो जाने विशेष रूप से घर के बड़े-बुजुर्गों या मुखिया की मृत्यु हो जाने के बाद दशगात्र के दिन घर के पुरुषों यानी की दिवंगत के छोटे भाई, बड़ा बेटे के सिर पर समथी सजनों सहित अन्य नाते रिशतेदारों, मेहमानों द्वारा नई धोती बांध कर 'पगबंधी' का नेंग घर के आँगन में अवश्य करते हैं। इसका सीधा-सा अर्थ है-रमुड़ में पागा बांधना' अर्थात् 'जो घर का मुखिया होता है, उसे घर संचालन की पूर्ण और सार्वजनिक रूप से जिम्मेदारी सौंपना। कुछ जाति-समुदाय के लोगों ने अपने को आधुनिकता की ओर उन्मुख करते हुए इस

पगबंधी रस्म

रस्म को भले ही बंद कर दिया है या नकार दिया है, पर संयुक्त परिवार एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न जाति-समुदायों में आज भी पगबंदी रस्म दशगात्र के दिन किया जाता है। जब तालाब से लोग स्नान करके घर लौटते हैं, तब स्वर्गवासी को सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि देने के पश्चात घर के मुखिया को जमीन को गोबर से लीपकर, चावल आटे से सुवासीन डंडा चौक पुर कर उसके ऊपर लकड़ी का पाटा रखकर, कलश की स्थापना की जाती है। उसके चारों ओर उनके समथी-सजन आदि को सिर पर भाग बांध कर बैठाया जाता है। फिर क्रमशः समधियानों और अन्य परिजन घर के मुखिया के सिर पर परत-दर-परत नए कपड़े, धोती, साफा आदि से पागा बांधते चले जाते हैं। इस तरह से उनका पागा बहुत बड़ा हो जाता है अर्थात् उसकी जिम्मेदारी अंतर बढ़ती जाती है। यह इस बात का संकेत होता है कि जिस तरह से आपके सिर पर पर-दर-परत कपड़े लपेटकर पागा बड़ा हो गया है अर्थात् घर के मुखिया के दिवंगत हो जाने पर अब आपको जवाबदारी सभी सदस्यों की देखरेख, लालन पालन, घर की सुख-समृद्धि, खुशहाली, सुरक्षा आदि की पूर्ण जिम्मेदारी आपके ऊपर है। परंपरा से प्रचलित इस 'बाल गीत' में भी इसी रस्म का उल्लेख बच्चों के मुख से बड़ी मौलिकता के साथ मुखरित होता है:-

अटकन मटकन दही चटाकन,
लउहा लाटा बन में कांटा।
चुहर चुहर पानी बरसे,
सावन में बुंदेला पके।।
चल चल बेटे गंगा जाबो,
गंगा ले गोदावरी।
पाका पाका बेल खाबो,
बेल के डारा टूट गये।।
भरे कटोरा फूट गे,
दूरी दूरा जूझ गे।
आठ चांगा पागा,
गोलार सिंग राजा।।

इसी भावना से आज भी छत्तीसगढ़ में विभिन्न जाति-समुदाय में दशगात्र के दिन 'पगबंधी' का रस्म अवश्य करते हैं। इसके पश्चात ही 'शांति भोज' ग्रहण किया जाता है।

पर्यटन: घनश्याम नाग

प्राकृतिक सौंदर्य के स्थलों में पावड़ा

सुरता

कमलेश यादव

सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे : बृजभूषण देवांगन

धार्मिक: राजकुमार यादव

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड अंतर्गत केडीआमा (रमनपुर) का दसकुंड वन क्षेत्र ऐसा भूभाग है, जहां जंगल, पहाड़, जल स्रोत, गुफा और लोक विश्वास मिलकर एक अलग सांस्कृतिक भू-दृश्य बनाते हैं। इसी क्षेत्र में जामवंत दादा की तपोस्थली मानी जाने वाली रहस्यमय गुफा, आसपास के प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थलों के रूप में स्थानीय लोगों की आस्था से जुड़े हैं।

जामवंत की तपोस्थली का क्षेत्र गरियाबंद जिले की रहस्यमय गुफा केडीआमा (रमनपुर)

लोक मान्यता के अनुसार यहां दसकुंड क्षेत्र को राम वन गमन पथ और प्राचीन दण्डकारण्य सांस्कृतिक स्मृतियों से जोड़कर देखा जाता है। रहस्यमयी केडीआमा के जंगल में स्थित गुफा को स्थानीय लोग जामवंत दादा की तपोस्थली के रूप में मानते हैं। त्रेतायुग में भगवान श्रीराम की वानर सेना से जुड़े जामवंत दादा का इस वन क्षेत्र से संबंध रहा। यहां के ग्रामीण जामवंत को तपस्वी, अनुभवी और वानर सेना के प्रमुख सहयोगी के रूप में आज भी स्मरण करते हैं। इन तथ्यों की प्रामाणिकता के लिए इस स्थल के ऐतिहासिक-पुरातात्विक और धार्मिक महत्व को देखते हुए व्यापक स्तर पर शोध की मांग ग्रामीण केडीआमा की गुफा से जुड़ी जल और जंगल की अनेखी संरचनादस जल कुंड

क्षेत्र की सबसे बड़ी प्राकृतिक विशेषताओं में से है। इन जलकुंडों को स्थानीय परंपरा में रामायण के विभिन्न पात्रों से जोड़ा जाता है जो जाम पानी, सुरंग पानी, माहुर पानी, आंवरा, सेमहर, कुंडरा, कुरु, गोइंदला और कुसुम पानी जैसे नाम आज भी क्षेत्रीय स्मृति में मिलते हैं। इन जलकुंडों की श्रृंखला केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि वन क्षेत्र की पारंपरिक जल-संरचना और स्थानीय पर्यावरणीय ज्ञान के अध्ययन का भी विषय है। यहां दसकुंड को केवल धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में देखने के बजाय लोक-संस्कृति, पर्यावरण, जलस्रोत, भूगोल और मौखिक इतिहास के संयुक्त अध्ययन क्षेत्र के रूप में देखते हैं।

आरबीआई दो बार में रेपो दर में कर सकता है 0.50 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी : नोमुरा

एजेंसी ►► मुंबई

ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने अक्टूबर और दिसंबर की मौद्रिक समीक्षा बैठकों में नीतिगत रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी किए जाने का अनुमान जताया है। ऐसा होने पर नीतिगत दर 5.75 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। नोमुरा ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि इन दो बढ़ोतरी के बाद फरवरी, 2027 से दरों में वृद्धि की संभावना घट सकती है। अगले साल उपभोक्ता खर्च में संभावित नरमी और मुद्रास्फीति के कमजोर परिदृश्य को इसका कारण बताया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगले सप्ताह होने वाली बैठक में द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की जाएगी। इस दौरान रेपो दर पर फैसला किया जा सकता है।



जीडीपी वृद्धि 7.8 फीसदी रही

आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर नोमुरा ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत रही, जबकि अपस्त में ऋण वृद्धि 19.1 प्रतिशत रही। हालांकि, उसने अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में कुछ

नकारात्मक जोखिम उभरने की बात भी कही।

फसल का उत्पादन प्रभावित होने की संभावना

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कम बारिश से खरीफ और रबी फसल का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है, जिससे वाणिज्य खपत पर असर पड़ सकता है। वहीं, खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने से वास्तविक खर्च-योग्य आय पर दबाव पड़ेगा और खिेकाधीन वस्तुओं की मांग घट सकती है। नोमुरा ने भारत के सेवा क्षेत्र पर कृत्रिम मेधा (एआई) के संभावित प्रभाव को भी रेखांकित किया है। भारत का सॉफ्टवेयर-सेवा अधिशेष 2026 की दूसरी तिमाही में 51.4 अरब डॉलर रहा, जो 2025 की चौथी तिमाही के 53 अरब डॉलर से कम है।

ईरान की मुद्रा में सबसे बड़ी गिरावट, एक डॉलर के लिए देने पड़ रहे 25 लाख रियाल

एजेंसी ►► नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान की मुद्रा रियाल मंगलवार को एक बार फिर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। तेहरान में कारोबारियों ने एक अमेरिकी डॉलर के बदले 25 लाख से अधिक रियाल का विनिमय किया। यह इस बात का साफ संकेत है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध ने ईरान की अर्थव्यवस्था को कितना कमजोर कर दिया है। यदि अन्य मुद्राओं में बात करे तो ब्रिटिश पाउंड 33 लाख रियाल और यूरो 28 लाख रियाल के पार निकल गया है। रियाल इससे पहले 2 सितंबर को 22 लाख रियाल प्रति डॉलर के स्तर तक गिरा था। महज 27 दिनों बाद मुद्रा ने एक और नया रिकॉर्ड बनाया है। युद्ध शुरू होने के बाद से ईरानी मुद्रा लगातार नए निचले स्तर दर्ज कर रही है। मुद्रा में गिरावट ऐसे समय में हुई है, जब युद्ध के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था पर प्रतिबंधों, व्यापारिक बाधाओं और क्षेत्रीय तनाव का दबाव बढ़ रहा है।

ईरान ने रखी थीं कई शर्तें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह ईरान के उस प्रस्ताव को ठुकरा



दिया था, जिसमें अमेरिकी नाकाबंदी हटाने, ईरान की फ्रीज संपत्तियां जारी करने और ईरानी तेल की बिक्री पर प्रतिबंधों में छूट समेत कई शर्तें रखी गई थीं। ईरान ने प्रस्ताव दिया था कि इन शर्तों पर सहमति बनने की स्थिति में वह 7 दिनों के भीतर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोल सकता है।

आईआरजीसी ने अमेरिकी जनता से किया विरोध का आह्वान : इस बीच, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कौंस (आईआरजीसी) के प्रवक्ता जनरल होसैन मोहेब्बी ने मंगलवार को अमेरिकी नागरिकों से युद्ध के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अमेरिकियों से अपनी सरकार पर दबाव बनाने को कहा। मोहेब्बी ने दावा किया कि युद्ध खल करने का एकमात्र रास्ता अमेरिका का अपनी हार स्वीकार करना और मध्य पूर्व से हटना है। उन्होंने अमेरिका पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को देश की संपत्ति पर कब्जे के बहाने के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया।

नई राष्ट्रीय इस्पात नीति के तहत 2047 तक 60 करोड़ टन क्षमता का लक्ष्य

एजेंसी ►► नई दिल्ली

इस्पात सचिव संदीप पौडिक ने मंगलवार को कहा कि सरकार नयी इस्पात नीति तैयार कर रही है, जिसका लक्ष्य क्षमता का विस्तार को बढ़ावा देकर 2047 तक 60 करोड़ टन की क्षमता हासिल करना, उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना और आयात से जुड़ी प्रमुख चुनौतियों से निपटना है।

■ **इस्पात सचिव पौडिक ने कहा, सरकार नई इस्पात नीति तैयार कर रही**



वर्ष 2017 में राष्ट्रीय इस्पात नीति पेश की गई थी

सरकार ने 2017 में राष्ट्रीय इस्पात नीति पेश की थी, जिसका लक्ष्य अन्य पहलुओं के साथ-साथ 2030 तक भारत की इस्पात विनिर्माण क्षमता बढ़ाकर 30 करोड़ टन करना, खपत बढ़ाना और कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। अधिकारी ने हालांकि बताया कि मौजूदा चुनौतियों और जरूरतों को देखते हुए 2017 की नीति की "फिर से समीक्षा किए जाने की जरूरत थी।"

कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में पौडिक ने कहा कि राष्ट्रीय इस्पात नीति को करीब एक सप्ताह में सार्वजनिक किया जाएगा और हितधारकों से इस पर सुझाव मांगे जाएंगे। सचिव ने कहा कि आयात के मामले में नीति में सस्ते व घटिया आयात को हतोत्साहित करने के उपाय किए जाएंगे। इसमें सुरक्षा उपायों के तौर पर सुरक्षा शुल्क, डंपिंग रोधी शुल्क आदि शामिल हैं। इसके साथ ही भारतीय इस्पात उद्योग, खासकर छोटे इस्पात उत्पादकों को प्रौद्योगिकी और कीमत के मामले में प्रतिस्पर्धी बनाने पर भी जोर दिया जाएगा।

20 देशों की कुछ विशेष दवाओं पर शुल्क नहीं लगाएगा अमेरिका



भारत सहित 20 देशों से आयात की जाने वाली दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं और उनसे जुड़े अवयवों पर अमेरिका कोई मूल्यानुसार शुल्क नहीं लगाएगा। विश्व सीमा शुल्क संगठन के अनुसार मूल्यानुसार शुल्क, कर योग्य वस्तुओं के मौद्रिक मूल्य का एक निश्चित प्रतिशत होता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने फेडरल रिजिस्टर में इन देशों की सूची प्रकाशित की है। विभाग 29 सितंबर से कुछ पेटेंट प्राप्त दवा आयात और उनसे जुड़े घटकों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की तैयारी कर रहा है। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को पेटेंट प्राप्त दवाओं, बायोलाजिकस और उनसे संबंधित अवयवों के आयात पर शुल्क लगाने के संबंध में एक घोषणापत्र जारी किया था।

एजेंसी ►► वाशिंगटन

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी जिला बिलासपुर (छ.ग.)

दावा-आपति		
1. बच्चे का नाम	:-	चांदनी (स्वयं बालिका द्वारा)
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक	:-	10/05/2025
3. संस्था	:-	बाल गृह बालिका बिलासपुर (छ.ग.)
4. रंग	:-	गोरी
5. उम्र	:-	06 वर्ष
उक्त बालिका को बाल कल्याण समिति बिलासपुर के आदेश क्रमांक 579 / बा. क.स./ 2025-26 बिलासपुर दिनांक 13/07/2025 से अस्थाई संरक्षण हेतु सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) में संरक्षण प्राप्त हैं। वर्तमान में बालिका शासकीय बाल गृह बालिका नुतन चौक सरकंडा जिला बिलासपुर (छ.ग.) में निवासरत है।		
सर्व संबंधित को जो कि बालक के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा आपति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बिलासपुर अथवा सेवा भारती मातृछाया बिलासपुर जिला बिलासपुर (छ.ग.) या शासकीय बाल गृह बालिका नुतन चौक सरकंडा जिला बिलासपुर (छ.ग.) में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपतियों पर विचार नहीं किया जायेगा तथा दत्त ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी।		
यह विज्ञापन मेरे द्वारा जारी किया गया।		
जिला बाल संरक्षण अधिकारी		
जी. 262703625/2 महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-बिलासपुर (छ.ग.)		

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT
AGENCY PROJECT CIRCLE, RAIPUR (C.G.)
Telephone no. 0771-4030164 E-Mail-se.circlepmgsy@gmail.com

NIT No 229 & 230/1400/Tech-2/CGRRDA/2026
Raipur Dated 28/09/2026
Superintending Engineer, Project Circle Raipur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for, Annual Repair & Maintenance of Roads under PMGSY & MMGSVY, sanctioned for below mentioned district of the state, from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below . Date of release of Invitation for Bids through e-procurement :

S. No	NIT No	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs, /jc GST)	Districts	Rate invited
01	229	Zonal Tender Annual Maintenance/MOW/Patc h Repair/Defect liability/Renewal Work of Construction Rural Road Under PMGSY/MMGSY	150.00	Raipur, Balodabazar, Mahasamund,	Percentage Rate SOR 06.06.2025 issued by CE, CGRDA Raipur (4th Call)
02	230		200.00		

Detailed N.I.T. and other Details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in. on or after 05/10/2026. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Project Circle, Raipur, (C.G.)
E-mail: se.circlepmgsy@gmail.com
Ph: 0771-4030164

S- 49223

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.) दूरभाष क्र.- 07751 220658 Email- actwd.gpm@gmail.com

क्रमांक / 1982 / निर्माण / 2026-27

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही दिनांक 14/09/2026

// ई-निविदा आमंत्रण सूचना //

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग की ओर से लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से उक्त कार्य के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत "द" श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी के ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग के 10.06.2026 से प्रवर्तित एस.ओ.आर . दर एवं अद्यतन संशोधन सहित ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है।

01. ई-निविदा प्रारम्भ तिथि :- 28.09.2026

02. निविदा की अंतिम तिथि :- 21.10.2026 (सायंकाल 5:30 बजे तक)

03. निविदा खोलने की तिथि :- 23.10.2026 (प्रातः 11:00 बजे)

क्र.	कार्य का नाम	विकासखण्ड	निविदा राशि लाख में	अमानत राशि रुपये में	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	निविदा आमंत्रण
1	आदिवासी बालक आश्रम करगरा में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	प्रथम
2	आदिवासी कन्या आश्रम गिरपुर में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	---"
3	आदिवासी बालक आश्रम देवरगांव में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	---"
4	विशेष पिछड़ी जनजाति कन्या छात्रावास घनौली में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	---"
5	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास लालपुर में शौचालय निर्माण	गौरेला	19.42	19500.00	04 माह	---"
6	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास निम्बा में शौचालय निर्माण	मरवाही	19.42	19500.00	04 माह	---"
7	प्री.मै. आदिवासी बालक छात्रावास उषाद में शौचालय निर्माण	मरवाही	19.42	19500.00	04 माह	---"

नोट:- 1. ठेकेदार का श्रेणी "डी" क्लास या उससे ऊपर।

टीप :- निविदा की शर्त व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट <https://eproc.cgstate.gov.in>में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त

आदिवासी विकास, जिला गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छ.ग.)

जी. 262703622/3

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
“सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन” सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स.शे. रायपुर दक्षिण/51/Mandi-178-26-27/3723
ई-प्रोक्यूरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से “प्रयत्र अ” प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-
ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 16.10.2026 फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि- 23.10.2026

क्र.	कार्य का नाम/ स्थल	निविदा राशि (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	नगर पालिक निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्र. 03 गुरुघासीदास वाई क्र. 48 में भारत किराया भंडार से पंजाब बूट हाउस वाली गली/घर तक, बन्नाजी के घर से गुरुविन्दर सिंह चव्हा के निवास के बगल में काशीराम नगर नाले तक, बन्नाजी के पीछे घर से जरसी रंधावा के घर तक, भंगौत सिंह सलूजा के घर से वाघवानी जी के घर तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण, जोन क्र. 04 के वाई क्र. 57 मारुति डेयरी के सामने, कटोरा तालाब मे एवं अरविंद नगर बस्ती हनुमान मंदिर से पेशन बाड़ा, आंगनबाड़ी तक, दुर्गा मंदिर से पंजाबी कालोनी के साईन बोर्ड मेन रोड तक, दुर्गा मंदिर से पंजाबी कालोनी राम जानकी मंदिर तक सी.सी. रोड निर्माण, जोन क्र. 06 वाई क्र. 59 में राजधानी अस्पताल के पीछे सी.सी. रोड निर्माण, जोन क्र. 06 वाई क्र. 62 में छ.ग. नगर में सी.सी. रोड निर्माण, जोन क्र. 06 वाई क्र. 58 में वासना गली से नंदू किराना स्टोर तक सी.सी. रोड, धीरज श्रीवास्तव के घर से नगर निगम पार्थेव अफिस तक नाली निर्माण एवं जेतलाम से लवण्या थेंड हाउस तक सी.सी. रोड निर्माण, जोन 05 वाई क्र. 41 सुंदर नगर में सी.सी. रोड, पुलिया निर्माण । (द्वितीय आमंत्रण)	140.56	लौ.नि.वि. सड़क कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर. पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, घरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते हैं।

प्रबंध संचालक

पिलफार्कट ने लॉजिस्टिक नेटवर्क का किया विस्तार

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स बाजार में पिलफार्कट ने आगामी त्योहारों से पहले अपने लॉजिस्टिक नेटवर्क का विस्तार किया है। इसके तहत 1.4 करोड़ घन फुट गोदाम क्षमता जोड़ी गई है और 750 से अधिक नए पिन कोड तक आपूर्ति का दायरा बढ़ाया गया है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice		
Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-		
NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
06/SE E/M/2026-27 (III Call) System Tender No 200341 Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage Rate)	PROVIDING & FIXING TO PROPOSED 11/0.4 K.V., 315 K.V.A. ELECTRIC SUBSTATION AT SCIENCE CENTER CAMPUS, SADDU, RAIPUR C.G	Rs 24.84 Lacs
63/SE E/M/2026-27 (IIInd Call) System Tender No 200342 Registered contractor class in "D" & above For Form A (Percentage Rate)	SUPPLY, INSTALLATION, TESTING AND COMMISSIONING OF ROAD LIGHTING AND HIGH MAST LIGHTS ON PROPOSED GAURAV PATH ON OLD NATIONAL HIGHWAY AT ABHANPUR, DISTRICT- RAIPUR (C.G.) (LENGTH-2.60 KM)	Rs 63.00 Lacs
66/SE E/M/2026-27 (IIInd Call) System Tender No 200340 Registered contractor class in "D" & above For Form B (Item Rate)	Providing Electrification and Supplying, Installation, Testing and Commissioning of 13 Passenger Lift for 4 Nos. UTDs at CSVTU Bhilai Distt.-Durg (C.G.)	Rs 69.19 Lacs
Date of bid submission 13-10-2026 The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.		
Superintending Engineer P.W.D. (E/M) Circle Raipur (C.G.)		
G-262703608/2		

* कोलकाता। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को रिकॉर्ड 1,083.06 करोड़ रुपये का लाभांश दिया।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, PUBLIC WORKS DEPARTMENT, (E/M) CIRCLE, BILASPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice			
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (Online)			
Online Tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D. in new Registraton System (Unified Registration System) for the following work :-			
Sr. No.	NIT No.	Name of Work	PAC
1	NIT 22 (Percent Tender No. 200446	Providing LT & HT line Shifting & Electrification work in Raigarh-Kotra-Nandeli 5 KM, 4 Lane road under Sub-Division Raigarh Disttt. Raigarh (C.G.)	136.80
2	NIT 39 (Percent Tender No. 200412	Providing Street Light for Dhayanchand Chowk to Bajrang Chowk (Road widening & strengthening work length 3.00 KM), Balco, Disttt-Korba (C.G.)	67.54
(2nd Call) Date of Online Bid Submission will be 05.10.2026.			
3	NIT 75 (Item Tender No. 200455	Providing LT & HT Line Shifting & Electrification work in Dhimrapur Chowk to Patrapalli Jindal Road under Sub-Division Raigarh Disttt. Raigarh (C.G.)	141.57
4	NIT 76 (Percent Tender No. 200474	Providing High Mast Light, Pole Light & existing Pole light cable replacement work in Hon'ble High Court Residential Colony Sector -3 Rahangi, Bilaspur (C.G.)	17.15
5	NIT 77 (Item Tender No. 200479	Providing Comprehensive maintenance of Air Conditioner (As per detail schedule) in P.W.D. (E/M) Sub Division, High Court, Bilaspur (C.G.)	33.20
6	NIT 78 (Percent System Tender No. 200488	Providing and fixing LED Street Light work in Daupara Chowk to Gidha Bypass turn 4 Lane road at Mungeli (C.G.)	12.80
7	NIT 79 (Item System Tender No. 200496	Providing Pole shifting of 11 KV Line on Railway Over Bridge to Jurve DPWK (Janjgir to Pithampur Road) Disttt. Janjgir-Champa (C.G.)	54.00
8	NIT 80 (Item System Tender No. 200502	Providing Pole shifting work for X-mer DP on Railway over bridge to Jurvey DPWK (Janjgir to Pithampur Road) Janjgir Disttt. Janjgir Champa (C.G.)	101.81
9	NIT 81 (Item System Tender No. 200504	Providing Pole shifting of LT Line on Over Bridge to Jurvey DPWK (Janjgir to Pithampur Road) Janjgir Disttt. Janjgir Champa (C.G.)	199.99
(1st Call) Date of Online Bid Submission will be 15.10.2026.			
The Tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document const online.			
Superintending Engineer P.W.D. (E/M) Circle Bilaspur (C.G.)			
G-262703597/2			

ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार, वर्ष 2025-26 के लिए प्रविष्टियां

छत्तीसगढ़ शासन, सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक व्यक्ति या एक सहकारी सोसाइटी को सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय "ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार" की स्थापना की गई है, जिसके लिए प्रविष्टियां आमंत्रित हैं।

- निर्णायक मण्डल (जुरी) की अनुशंसा पर शासन द्वारा अंतिम रूप से घोषित एक व्यक्ति अथवा एक सहकारी सोसाइटी को "ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार" राशि रुपये 2,00,000/- (अक्षरी दो लाख रुपये मात्र) का नगद पुरस्कार तथा प्रतीक चिन्ह से युक्त वाहिका, प्रशस्ति के रूप में दी जायेगी।
- पुरस्कार के लिए निम्नलिखित अपेक्षाओं की पूर्ति करते हुए प्रविष्टियां आमंत्रित की जाती है :-
(अ) व्यक्ति के लिए :-
 - लगातार पांच वर्षों तक सहकारिता के विकास के लिए उत्कृष्ट योगदान किया हो।
 - किसी भी सहकारी सोसाइटी का व्यक्तिक्रमी सदस्य न हो।
 - व्यक्ति को किसी सहकारी सोसाइटी का सदस्य होना अनिवार्य है।
- संबंधित व्यक्ति छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 की धारा 19 ए/क एवं छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी नियम, 1962 के नियम 44 के तहत निरर्हित न हो।
- महिला, कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य किया हो।
- संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1960 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही न की गई हो।

टीप :- उपरोक्त बिन्दुओं की पुष्टि हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।

(ब) सहकारी सोसाइटी के लिए:-

- सहकारी सोसाइटीजिसेन 03 वर्षों तक लगातार लाभ अर्जित किया हो तथा सोसाइटी संचित हानि में न हो।
- सहकारी सोसाइटी किसी वित्तदायी संस्था या राज्य शासन की व्यक्तिक्रमी न हो।
- सहकारी सोसाइटीका वित्तीय अभिलेख तालाखी पूर्ण हो तथा अंकेक्षण अद्यतन पूर्ण हो।
- अंकेक्षण प्रतिवेदन में उल्लेखित आपत्तियों का निराकरण कर दिया गया हो।
- सहकारी सोसाइटी अधिनियम / नियम / उपविधियों में वर्णित प्रावधान के अनुसार आमसभा एवं उसकी अन्य समितियों की नियमित बैठकें करती हो एवं कार्यवाही विवरण का परिचालन करती हो।
- वह सहकारी सोसाइटीजो अपने सदस्यों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास एवं महिला, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए उत्कृष्ट कार्य किया हो।
- प्रजातान्त्रिक प्रक्रिया के तहत निर्वाचित बोर्ड कार्यरत हो तथा सोसाइटी का प्रबंधन उत्कृष्ट हो।
- वह सहकारी सोसाइटी जो अपने सदस्यों को लाभांश वितरण करती हो, उसे पुरस्कार के लिए प्राथमिकता दी जायेगी।
- सहकारी सोसाइटी में व्याप्त गबन, धोखाधड़ी के मामले में सोसाइटी द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जाती हो।

टीप :- उपरोक्त बिन्दुओं की पुष्टि हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।

- पुरस्कार के नियम की प्रति एवं प्रविष्टियों के लिए निर्धारित प्रारूप कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़, तृतीय एवं द्वितीय तल, ब्लॉक-बी, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर एवं सहकारिता विभाग के संभागीय / जिला कार्यालयों में तथा विभाग की वेबसाईट https://coop.cg.gov.in में भी उपलब्ध है।
 - पुरस्कार वर्ष 2025-26 के लिए प्रविष्टियां निर्धारित प्रारूप में मय संलग्नक संबंधित संभागीय कार्यालयों के माध्यम से दिनांक 12/10/2026 तक कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, छत्तीसगढ़, नया रायपुर में प्रस्तुत किया जाये। प्रविष्टि प्रेषित करते समय विषय में "ठाकुर प्यारेलाल सिंह पुरस्कार हेतु आवेदन पत्र" स्पष्ट रूप से लिखा हो।
- उक्त निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त प्रविष्टियां एवं संभाग स्तरीय विभागीय कार्यालय की अनुशंसा तथा बिन्दुवार टीप के अभाव में प्रविष्टियां पर विचार नहीं किया जायेगा।

अपर आयुक्त
सहकारिता, छत्तीसगढ़

जी. 262703610/1

8 साल का इंतजार खत्म, पंधाल फाइनल में, परवीन ने टोकी दावेदारी

एजेसी ►► निशिया

अंकुश पंधाल ने एशियाई खेलों में पुरुष मुक्केबाजी के फाइनल में पहुंचकर भारत का 8 साल का इंतजार खत्म किया, वहीं परवीन हुड्डा ने शानदार जीत के साथ महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग में खिताबी मुकाबले में जगह बनाई लेकिन नरेंद्र बेरवाल को 90 किलोग्राम से अधिक वर्ग के सेमीफाइनल में बाहर होने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। परवीन ने 65 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में चीन के ली शू को 5-0 से हराया। इसके बाद अंकुश ने 80 किलोग्राम वर्ग पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान के फजलुद्दीन एरकिनबोएव को 4-1 से हराया। एरकिनबोएव 75 किलोग्राम भार वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं।

अनुभवी मुक्केबाज बेरवाल को सेमीफाइनल में कजाखस्तान के मौजूदा सुपर हेवीवेट विश्व चैंपियन आइबेक ओरलबाय के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। बेरवाल ने इसके साथ ही एशियाई खेलों में एक और कांस्य पदक अपने नाम किया। वह 2023 में चीन में हुए पिछले एशियाई खेलों में भी सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गए थे।



मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना : अंकुश

अंकुश ने कहा, 'मैं एशियाई जूनियर चैंपियनशिप के दौरान भी इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेल चुका था और मैं वह मुकाबला हार गया था। हमने उसके मुक़ाबलों के वीडियो देखे और अपनी रणनीति बनाई। मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना है।'

मैं थोड़ी घबराई हुई थी : परवीन

परवीन दिग्गज एमसी मैरी कॉम (जिन्होंने 2014 में खिताब जीता था) और लवलीना बोर्गोडेन (जिन्होंने पिछले खेलों में रजत पदक जीता था) के बाद एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय महिला मुक्केबाज भी बन गई हैं। परवीन ने कहा, 'मुकाबला अच्छा रहा। मैं थोड़ी घबराई हुई थी, क्योंकि उसने क्वार्टर फाइनल में दिव्य चैंपियन को हराया था। मैं उसी खिलाड़ी का सामना करने का तैयारी कर रही थी, इसलिए मुझे अपनी रणनीति बदलनी पड़ी। मैंने जबकी मुक्कों के जरिए अच्छा प्रदर्शन किया।'

पंधाल ने रचा इतिहास

अंकुश पंधाल आठ साल में एशियाई खेलों के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए हैं। अमित पंधाल ने 2018 में 49 किलोग्राम वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर आखिरी बार यह उपलब्धि हासिल की थी। रायचमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अंकुश ने एरकिनबोएव के खिलाफ जबरदस्त जुझारूपन दिखाया। उन्होंने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अंतिम दौर में दबदबा बनाया और यादगार जीत हासिल की।



टेनिस: प्री-क्वार्टर फाइनल में नागल-दक्षिणेश्वर

नागोया। एशियाई खेलों में मंगलवार को सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश ने टेनिस के पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के सेओगवान होंग को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि सुरेश ने इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवतारा पर कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत दर्ज की। गैसम की खराबी के कारण सोमवार को सुमित और होंग का मैच रोक दिया गया जबकि पहले सेट में सुमित 3-2 से आगे थे। कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी की और मंगलवार को फिर से शुरू होने पर पहले आठ अंक जीते क्योंकि सुमित पहले सेट में 3-4 से पीछे थे। हालांकि, सुमित ने सेट और बाद में मैच अपने नाम करने के लिए लगातार नौ गेम जीते। सुमित एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स क्वालीफाइन राउंड में होंग से 6-2, 2-6, 6-7 (4) से हार गए थे।



स्पीड क्लाइंबिंग: क्वार्टर फाइनल में जोगा पूर्ति



नागोया। भारतीय किशोरी जोगा पूर्ति ने क्वालीफाइन राउंड में नौवें स्थान पर रहकर एशियाई खेलों की महिला स्पीड क्लाइंबिंग स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जमशेदपुर की 19 वर्षीय खिलाड़ी जोगा ने पोटमेसे नागोया प्रदर्शनी हॉल में 15 मीटर ऊंची दीवार पर चढ़ने में अपना सर्वश्रेष्ठ समय 7.28 सेकंड दर्ज किया। क्वार्टर फाइनल बुधवार को होगा। चीन की लिंग्जुआन डेंग ने 6.23 सेकंड के एशियाई खेलों के रिकॉर्ड के साथ क्वालीफाइन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके बाद दक्षिण कोरिया की जिमिन जियोंग रहें।

स्क्वैश : ईरान को हराकर महिला टीम क्वार्टर फाइनल में



नागोया। भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने एशियाई खेलों में मंगलवार को ग्रुप चरण के अपने आखिरी मुकाबले में ईरान को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। पहले एकल मैच में प्रतिद्वंद्वी के बीच में ही हटने के कारण तन्वी खन्ना को विजेता घोषित किया गया। तन्वी के खिलाफ नर्गिस सोलतानी 5-11, 0-3 से पीछे चल रही थीं, तन्वी उन्होंने मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके बाद व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकीं अनाहत सिंह ने फेरेस्तेह इघतेदारी को 3-0 से हराकर भारत को 2-0 की अजेय बढ़त दिला दी। अनाहत ने मुकाबला 11-5, 11-4, 11-7 से अपने नाम किया।

कैनो स्लैलम पैडलर्स :

भारतीय टीम सेमीफाइनल में

भारतीय कैनो स्लैलम पैडलर्स ने एशियाई खेलों में मंगलवार को पुरुषों की कयाक एकल और महिलाओं की कैनो एकल स्पर्धाओं में सेमीफाइनल में जगह बनाई। पुरुषों की कयाक एकल स्पर्धा में हितेश केवट 118.22 सेकंड के समय के साथ आठवें, जबकि प्रद्युम्न सिंह राठौड़ 127.70 सेकंड का समय लेकर 10वें स्थान पर रहे।

वॉलीबॉल: कतर को हराकर क्वार्टर फाइनल में भारत

नागोया। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने मंगलवार को कतर को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पूल सी के मेराथन मुकाबले में भारत ने दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कतर को 26-28, 25-27, 25-23, 25-20, 24-22 से हराया। मुकाबला दो घंटे 47 मिनट तक चला। चारों क्वार्टर फाइनल मुकाबले गुरुवार को खेले जाएंगे। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती दो मैच में वियतनाम को 3-0 (25-23, 25-21, 25-20) और हांगकांग को 3-0 (25-22, 25-19, 25-21) से हराया था। कतर के खिलाफ भारत की ओर से जेरोम विगीत ने 21 अंक जुटाए जिसमें सभी अंक स्मैश के जरिए आए। अमित सिंह बलवान ने 24 अंक बनाए जिसमें 22 अंक स्मैश और दो ब्लॉक से मिले। जोएल बेजामिन जेवराज ने भी दोहरे अंक में स्कोर किया। उन्होंने 17 अंक जुटाए, जिसमें 14 स्मैश, दो ब्लॉक और एक सर्विस अंक शामिल था।



सेमीफाइनल में कल श्रीलंका से मिडेगी टीम इंडिया



निशिन। श्रीलंका और नेपाल का क्वार्टर फाइनल खराब मौसम के कारण रद्द होने के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगी। श्रीलंका को अपनी बेहतर रैंकिंग के आधार पर सेमीफाइनल में जगह मिली। टीम रैंकिंग में श्रीलंका नौवें, जबकि नेपाल 14वें स्थान पर है। नागोया में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिसके कारण भारत के क्वार्टर फाइनल समेत अंतिम आठ के सभी मुकाबले बारिश की भेंट चढ़ गए।

ऑस्ट्रेलिया पर भारत का दबदबा, पारी और 48 रन से जीता टेस्ट



एजेसी ►► राजकोट

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ अनाधिकारिक टेस्ट

सीरीज का पहला मुकाबले पहला अपने नाम कर लिया है। निरंजन शाह स्टेडियम में खेले गए मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम ने पारी और 48 रन से जीत हासिल करते हुए सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। सीरीज का अंतिम मैच 5 अक्टूबर से अहमदाबाद में आयोजित होगा।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 217 रन बनाए। इस टीम ने 27 के स्कोर तक 3 विकेट गंवा दिए थे। जिसके बाद ब्लेक केटल ने जेड हॉलिक के साथ चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 174 के स्कोर तक पहुंचाया।

सोसायटी फॉर एक्शन इन कम्युनिटी हेल्थ (SACH)

राज्य स्वास्थ्य प्रशिक्षण भवन

बुढ़ापारा बिजली आफिस चौक, कालीबाड़ी रायपुर (छ.ग.) फोन: 07714531246

e-mail : contact@shsr-cg.in, web: www.sachindia.org

निविदा आमंत्रण सूचना

रायपुर कार्यालय में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों के 146 विकासखंडों में आवासीय प्रशिक्षण दौरान भवन, भोजन एवं टेंट सेवाओं हेतु दिनांक 23 अक्टूबर 2026 संख्या 5:30 तक निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत जानकारी एवं निविदा प्रपत्र - www.sachindia.org वेबसाइट से प्राप्त करें।

अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

सोसायटी फॉर एक्शन इन कम्युनिटी हेल्थ

रायपुर (छत्तीसगढ़)

शब्द पहेली - 6363

	1	2	3	4		5	6	7	
8			9			10			11
12	13		14			15			16
17		18		19	20			21	
22			23					24	
				25					
26	27	28				29	30	31	32
33				34		35		36	
37				38		39	40	41	
			42			43		44	
						46			

बाएँ से दाएँ

- सरदार, अंगुआ-4
- जनमत, एक राय-4
- पुराना जुकाम-3
- विंता, परवाह-3
- पैदा, तल्ला-2
- ताल, सुर, आलाप-2
- महोदय (अंग्रेजी)-2
- लाडला, दुलारा-2
- निवास करना-3
- डोली उठाने वाले-3
- नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
- तड़पाना-4
- जल में रहनेवाला-4
- दरियादिल, करण-5
- इराक की राजधानी-4
- मेट, पुरस्कार-4
- पासों से भविष्य देखना-3
- अश्ववाहक, घुड़सवार-3
- चौकसी, रखवाली-3
- हलक, कंट-2
- मदेव-2
- लार-2

- निश्चित-2
- कालीन-3
- बंदर, मकंट-3
- किसान-4
- इस्लामी कैलेंडर का एक महीना-4
- ऊपर से नीचे
- क्रिकेट में बनते हैं-2
- नामा, गीत (उर्दू)-3
- जो लायक न हो-4
- राशिचक्र की एक राशि-3
- झगड़ा, बैर-2
- अदंत, व्यवहार-4
- शमशीर-4
- तरंग, हिलोर-3
- तृष्णा, लोभ-3
- अमेरिका स्थित वैशाला-2
- जिंतेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं-5
- नीर, पानी-2
- देवर्षि-3

- इंयां, डाह-3
- वटवृक्ष-4
- जिसमें पींधे लगाते हैं-3
- दलहन-2
- मंत्र जाप-2
- तसल्ली, आराम-3
- भगवान विष्णु-4
- धर्मशीलता-4
- पैजामा-4
- तमीज-3
- साजन, प्रेमपात्र-3
- पहरा, चौकसी-2
- अवकाश-2

शब्द पहेली- 6362 का हल

ग	स	म	झ	क	पा	स
कु	ल	झ	क	रा	ह	म
ल	ध	रा	ण	र	क	
प	रि	वा	र	क	पा	अ
ति	ह	म	नो	नी	त	सी
ग	त				त	ब
म	न	का	न	वर	ब	रि
लि	न	त	त	म	न	या
का	ख	ब	रि	मी	ख	न
आ	स	रा	जा	य	दा	द

साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड "मिनी रल कम्पनी"

(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

सार्वजनिक सूचना

अत्यंत महत्वपूर्ण – जनहित में जारी
दिनांक: 27.09.2026 हल्दीबाड़ी, चिरमिरी स्थित कालीबाड़ी के समीप भूमि के धंसने/भस्म होने की घटना के मद्देनजर उक्त स्थल एवं उसके आसपास के 200 मीटर के क्षेत्र को असुरक्षित घोषित किया गया है। उक्त घटना की संपूर्ण जानकारी प्रशासन को दी जा चुकी है तथा समय-समय पर उत्पन्न होने वाली किसी भी नई स्थिति से प्रशासन को अवगत कराया जा रहा है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि उक्त स्थान पर एस.ई.सी.एल. द्वारा विगत 50 वर्षों से किसी भी प्रकार का खनन कार्य नहीं किया गया है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि उक्त धंसी/भस्मी हुई भूमि के आसपास कुछ लोगों द्वारा आवारीय एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, गोदामों आदि का निर्माण किया गया है। अतः उक्त क्षेत्र में निवासरत एवं व्यवसाय संचालित करने वाले सभी व्यक्तियों से अपील एवं अनुरोध है कि वे अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल उक्त स्थान को खाली कर सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। भूमि के पुनः धंसने/भस्म होने की आशंका बनी हुई है तथा किसी भी समय अप्रिय घटना घटित हो सकती है। अतः धंसी/भस्मी हुई भूमि के 200 मीटर की परिधि में निवास करने वाले अथवा दुकान, गोदाम या अन्य व्यावसायिक गतिविधि संचालित करने वाले सभी व्यक्ति तत्काल उक्त स्थान को खाली कर सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। यदि किसी व्यक्ति द्वारा इस सार्वजनिक सूचना के बावजूद उक्त असुरक्षित क्षेत्र को खाली नहीं किया जाता है, तो भविष्य में घटित होने वाली किसी भी अप्रिय घटना के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा। जनहित एवं जनसुरक्षा में जारी।

सक्षम अधिकारी के आदेशानुसार

सूडीकु नवताल - 6373

★★★★★
कोटिनतम

	9					6							
	1							2					
5				7					3				
				4								6	
										9			
4				3				8					
	7							9				8	
		2								1			
											4		
				3									

सूडीकु नवताल - 6372 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहली का केवल एक ही हल है.

6	5	8	9	1	4	2	7	3					
1	2	7	3	5	8	6	4	9					
3	4	9	7	2	6	1	5	8					
2	3	6	1	4	5	9	8	7					
8	9	5	2	7	3	4	1	6					
4	7	1	6	8	9	3	2	5					
7	6	4	5	3	1	8	9	2					
9	8	2	4	6	7	5	3	1					
5	1	3	8	9	2	7	6	4					

© MANGAL SENAACHA, BANGALORE

विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की



डॉ. तीजन बाई

तीज के दिन जन्मी 'तीजन'

मिलाई के समीप गनियारी गांव में धनुक लाल और सुखवती के घर एक बेटी ने जन्म लिया। परिवार साधारण था, परिस्थितियां कठिन थीं, लेकिन इस बच्ची के भीतर कुछ असाधारण था। संयोग से उसका जन्म छत्तीसगढ़ के लोकपर्व तीज के आसपास हुआ, इसलिए नाम रखा गया तीजन। तीजन पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी थीं। जन्म के कुछ ही दिनों बाद जीवन ने उन्हें पहली परीक्षा भी दी। परिवार में प्रचलित एक प्रसंग के अनुसार, जन्म के छठे दिन एक आवारा कुत्ता नवजात तीजन को कपड़े समेत उठाकर ले गया था। काफी तलाश के बाद मां ने उन्हें झोपड़ी के पीछे कुत्ते के पास पाया और सूझबूझ से रोटी का लालच देकर बच्ची को सुरक्षित वापस ले आई। माँ के मुँह से बची वही बच्ची आगे चलकर लोककला के इतिहास में अमिट नाम लिखने वाली थी।

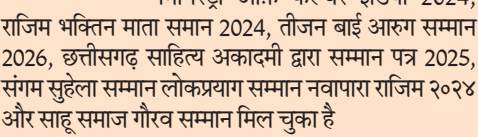


नाना की आवाज में सुनी महाभारत

तीजन बाई के जीवन में पंडवानी की पहली पाठशाला कोई मंच या संस्थान नहीं, बल्कि उनके नाना ब्रजलाल पारधी थे। परिवार के बड़े लोग जब रोजी-रोटी के लिए बाहर निकलते, तब नहीं तीजन अपने नाना के साथ रहतीं। नाना छत्तीसगढ़ी में महाभारत की कथाएं सुनाते और पंडवानी गाते। तीजन उन्हें एकटक सुनती रहतीं। महाभारत के पात्र, उनके संवाद, युद्ध, दुःख, क्रोध और वीरता धीरे-धीरे उनके बालमन का हिस्सा बनते गए। फिर वह अकेले में नाना की तरह गाने का अभ्यास करने लगीं। यही वह समय था, जब पंडवानी उनके लिए महज गीत नहीं रही। बाद में उमैद सिंह देशमुख से भी उन्होंने पंडवानी की अनौपचारिक शिक्षा ली, लेकिन अपनी कला की पहली लौ उन्हें नाना से ही मिली थी।

पंडवानी विधा को आगे बढ़ा रहीं आराध्या

धमती के कुरुद में जन्मी आराध्या अपनी गुरु तीजनबाई के पदचिन्हों पर चलकर उनका मान बढ़ा रही है। 7 साल की उम्र से ही आराध्या पंडवानी गायन कर रही है। अपनी प्रतिभा के बल पर कई सम्मान अर्जित कर चुकी है। आराध्या ने अभी तक 300 से ज्यादा मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। आराध्या के पंडवानी कार्यक्रम Inh24x7, आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित हो चुके हैं। आराध्या को अभी तक नई दुनिया नायिका सम्मान 2023, मोर अंगना के तुलसी समान 2026, मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर इंडिया 2024, राजिम भक्तिन माता समान 2024, तीजन बाई आरुह सम्मान 2026, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी द्वारा सम्मान पत्र 2025, संगम सुहेला सम्मान लोकप्रयाग सम्मान नवापारा राजिम २०२४ और साहू समाज गौरव सम्मान मिल चुका है।



गनियारी की मिट्टी से उठी एक आवाज ने जब पहली बार महाभारत की कथा गायी, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह आवाज एक दिन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान बन जाएगी। अभावों में बीता बचपन, नाना से सुनी महाभारत की कथाएं और पंडवानी के प्रति ऐसा जुनून, जिसने सामाजिक बंदिशों तक को चुनौती दे दी। तीजन बाई ने परंपरा में रहते हुए अपनी अलग राह बनाई और पंडवानी की कापालिक शैली को अपनी आवाज, अभिनय और अद्भुत ऊर्जा से नया विस्तार दिया। गांव की चौपाल से शुरू हुआ उनका सफर देश-दुनिया के बड़े मंचों तक पहुंचा, लेकिन शोहरत की ऊंचाइयों पर पहुंचकर भी उनके भीतर की वह सहज ग्रामीण स्त्री नहीं बदली। बोरे-बासी और टमाटर की चटनी से लेकर तंबूरे और महाभारत तक—उनकी जिंदगी में मिट्टी की वही खुशबू बनी रही। पद्मश्री से पद्मविभूषण तक मिले सम्मान उनकी उपलब्धियों का प्रमाण हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विरासत वह आत्मविश्वास है, जिसने पंडवानी को वैश्विक पहचान दी। 5 जुलाई 2026 को तीजन बाई की आवाज भले मौन हो गई, लेकिन उनकी पंडवानी आज भी छत्तीसगढ़ की माटी में गूंजती है।

पंडवानी की अमर आवाज तीजन बाई संघर्ष से शिखर तक



गांव की चौपाल से दुनिया के मंच तक

गनियारी और आसपास के गांवों से शुरू हुआ तीजन बाई का सफर धीरे-धीरे मिलाई, दुर्ग, रायपुर और भीमाल तक पहुंचा। भीमाल के भारत भवन में उनकी प्रस्तुति ने उनके जीवन को निर्णायक मोड़ दिया। प्रख्यात रंगकर्मी हबीब तनवीर उनकी कला से प्रभावित हुए और उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सामने प्रस्तुति का अवसर मिला। प्रस्तुति के बाद इंदिरा गांधी ने उनकी सराहना की। तीजन बाई ने सहजता से कहा-महाभारत नहीं करती हूँ, महाभारत की कथा सुनाती हूँ। उनके इस जवाब में उनकी कला का पूरा दर्शन छिपा था। मिलाई स्टील प्लॉट ने 1986 में उन्हें नौकरी दी और उनकी कला को मंच भी मिला। इसके बाद श्याम बेनेगल के चर्चित धारावाहिक 'भारत एक खोज' में उनकी प्रस्तुति ने उनकी आवाज को देश के करोड़ों दर्शकों तक पहुंचाया। इंग्लैंड, फ्रांस, जर्मनी, तुर्की, मॉरीशस और जापान समेत अनेक देशों में उन्होंने पंडवानी प्रस्तुत की। पेरिस के भारत महोत्सव में उनकी प्रस्तुति विशेष रूप से चर्चित रही। भाषा अलग थी, लेकिन उनकी आवाज, अभिनय और भावों ने सीमाएं पार कर लीं।

रूढ़ियों से टकराती एक अल्हड़ लड़की

पंडवानी सीखने और गाने का जुनून उस समय किसी लड़की के लिए आसान नहीं था। महिलाओं के लिए प्रचलित वेदमती शैली में बैठकर पंडवानी गाने की परंपरा थी, जबकि खड़े होकर अभिनय और हावभाव के साथ प्रस्तुति देने वाली कापालिक शैली पर पुरुषों का वर्चस्व था। तीजन बाई को सीमाओं में बंधना मंजूर नहीं था। उन्हें गाने-बजाने के साथ कबड्डी खेलना और लड़कों के साथ खुलकर खेलना भी पसंद था। उनकी यही अल्हड़ता परिवार और समाज को कई बार नागवार गुजरती। पंडवानी गाने पर उन्हें मां की डांट और मार तक सहनी पड़ी। पिता भी उनके गाने के खिलाफ थे। लेकिन जिस लड़की ने महाभारत को अपने भीतर बसा लिया था, उसे रोकना आसान नहीं था। वह छिप-छिपकर अभ्यास करती रहीं। महज 12 वर्ष की उम्र में उनका विवाह कर दिया गया, जो रोक नहीं सका।



पहली बार गाने पर मिला एक बुरा चावल

उस समय में महिलाएं, पंडवानी केवल बैठकर गा सकती थीं, जिसे वेदमती शैली कहा जाता है। वहीं, पुरुष खड़े होकर कापालिक शैली में गाते थे। तीजन बाई वो पहली महिला हैं, जिन्होंने कापालिक शैली में पंडवानी की प्रस्तुति दी थी। इसके बाद दूसरे गांववाले उन्हें तीज-त्यौहार पर लोक गीत गाने बुलाने लगे। तीजन जब 13 साल की थीं, तब उन्होंने पहली बार अपने पास वाले गांव चंद्रपुरी में मंच पर प्रस्तुति दी थी। शुरुआती दिनों में पंडवानी के लिए कोई निश्चित राशि तय नहीं थी, हर कार्यक्रम के बाद श्रोतागण अपनी श्रद्धा अनुसार 10 -20 पैसे या फिर एक मुट्ठी चावल दिया करते थे। तीजन को भी अपने पहले कार्यक्रम में समान स्वरूप एक बोरा चावल मिला, जिसे बेचकर उन्होंने अपने घर की छत बनवाई थी।

दुख बहुत मिले, पंडवानी नहीं छूटी



तीजन बाई का सार्वजनिक जीवन जितना ऊंचा हुआ, निजी जीवन उतना ही संघर्षों से भरा रहा। मंच पर जाने और लगातार कार्यक्रम करने की उनकी प्रतिबद्धता कई बार वैवाहिक जीवन में टकराव का कारण बनी। लेकिन उन्होंने पंडवानी छोड़ना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपने बच्चों को खोने का गहरा दुःख भी सहा। निजी त्रासदियों के बीच भी उनकी कला उनके साथ बनी रही। एक बेटे के निधन के तुरंत बाद तय कार्यक्रम में प्रस्तुति देने जाना उनके जीवन के सबसे कठिन क्षणों में से एक था। मां के भीतर का दुःख और कलाकार का दायित्व आमने-सामने थे, लेकिन उन्होंने मंच पर जाना चुना। उनके लिए पंडवानी सिर्फ रोजी-रोटी नहीं थी। वह गुरु की सीख थी, पहचान थी और जीवन का संबल थी। शायद इसी कारण निजी दुखों के बीच भी उनकी आवाज में वह ऊर्जा बनी रही, जिसने उन्हें दशकों तक मंच से जोड़े रखा।

कला साधना को मिला सम्मान

भारतीय लोक कला में तीजनबाई के असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। 1995 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।



1988 : पद्म श्री



2019 : पद्म विभूषण



2003 : पद्म भूषण

तीजन चली गई, कथा रह गई

उम्र के अंतिम पड़ाव में स्वास्थ्य ने उनका साथ कमजोर कर दिया। 27 मई 2026 को उन्हें रायपुर के एम्स में भर्ती कराया गया। कई दिनों तक उपचार के बाद 5 जुलाई 2026 की तड़के लगभग 3 बजकर 15 मिनट पर 70 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। गनियारी की उसी मिट्टी में उन्हें अंतिम विदाई दी गई, जहां कभी नाना की आवाज में उन्होंने पहली बार महाभारत सुनी थी। पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ। हजारों लोगों ने अपनी लोकधरोहर को अंतिम प्रणाम किया। लेकिन कलाकार का जीवन उसके जाने के साथ समाप्त नहीं होता। तीजन बाई ने पंडवानी को अगली



पीढ़ी तक पहुंचाने की कोशिश की, अनेक कलाकारों को प्रशिक्षण दिया और यह विश्वास छोड़ा कि लोककलाएं कभी खतम नहीं होतीं। वे समय के साथ अपना नया पात्र चुन लेती हैं। गनियारी की चौपाल से विश्व मंच तक पहुंची तीजन बाई की कहानी अभाव, संघर्ष, जिद, प्रतिभा और अद्भुत सरलता की कहानी है। उन्होंने पंडवानी को दुनिया तक पहुंचाया, लेकिन उसकी आत्मा को कभी नहीं बदला। उनकी बोली छत्तीसगढ़ी रही, हाथ में तंबूरा रहा और कथा में वही महाभारत। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है—पंडवानी की पर्याय, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता और भारतीय लोककला की अमर आवाज।



अभिनेता रणबीर कपूर के साथ तीजन बाई बासी चावल और चटनी की शौकीन, तीजन बाई ने अपनी काबिलियत एवं प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल किया। दमदार आवाज की जादूगर तीजन बाई ने संघर्षों के आगे कभी घुटने नहीं टेके। बॉलीवुड के मशहूर कलाकार रणबीर कपूर, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी या फिर कोई सामान्य कला का विद्यार्थी क्यों न हो, तीजन बाई सबसे बेहद सादगी और सरलता से मिलती होती थीं।

सोमवार रात 7.55 बजे

समर्पण और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक मिसाल

तीजन बाई छत्तीसगढ़ की ऐसी गौरवशाली पहचान थीं, जिन्होंने अपनी कला-साधना से प्रदेश की लोक संस्कृति को देश-दुनिया के मंच तक पहुंचाया। पंडवानी में उनकी विशिष्ट कापालिक शैली और प्रभावशाली प्रस्तुति ने पहचान दिलाई। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और आत्मविश्वास की प्रेरणादायक मिसाल रहा।
-रमेश डेका, राज्यपाल, छत्तीसगढ़

तीजन बाई का योगदान प्रदेश के लिए गर्व की बात

तीजन बाई ने पंडवानी को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया, वह प्रदेश के लिए गर्व की बात है। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी कला को साधना बनाया और पूरी दुनिया के सामने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा को प्रस्तुत किया। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा रहेगा।
-विष्णुदेव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

पंडवानी को दिलाया राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान

तीजन बाई का व्यक्तित्व छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति के विराट स्वरूप का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने पंडवानी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान दिलाया। उनकी कला में लोकजीवन, महाभारत की कथा, अभिनय और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय था।
-डॉ. मणिक विक्कम 'नवरंग', वरिष्ठ साहित्यकार

तीजन बाई ने पंडवानी को मंच पर जीवंत किया

तीजन बाई ने पंडवानी को सिर्फ गाया नहीं, बल्कि उसे मंच पर जीवंत किया। उनकी प्रतिभा और लगन देखकर उन्हें प्रशिक्षण मिला और महज 13 साल की उम्र में उन्होंने पहला मंच प्रदर्शन किया। तानपूरे को कभी रथ, कभी गदा तो कभी पात्रों की अभिव्यक्ति बनाकर उन्होंने पंडवानी को अद्भुत नाट्य रूप दिया।
-डॉ. प्रकाश पतंगीवार, वरिष्ठ साहित्यकार

भारतीय लोक परंपरा की सशक्त आवाज थीं तीजन बाई

तीजन बाई सिर्फ पंडवानी की महान कलाकार नहीं थीं, बल्कि वे भारतीय लोक परंपरा की एक ऐसी सशक्त आवाज थीं, जिसने लोककला को नई प्रतिष्ठा दी। उनकी प्रस्तुति में कथा, संगीत, अभिनय और भावनाओं का अद्भुत संगम दिखाई देता था। वे मंच पर आती थीं तो महाभारत के पात्र और प्रसंग जीवंत हो उठते थे।
-मालिनी अवस्थी, प्रसिद्ध लोक गायिका

तीजन बाई जी से एक पूरी पीढ़ी ने बहुत कुछ सीखा है

अत्यंत गरीब परिवार से होने के बावजूद उन्होंने अपनी कला साधना से देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी पंडवानी को पहचान दिलाई। हम सब उनसे हमेशा सीखते ही रहे हैं। उनके व्यवहार की मिठास, उनकी हमेशा याद दिलाती रहेगी।
-पद्मश्री उषा भारले वरिष्ठ पंडवानी गायिका

मैं उन्हें हरपल याद करती हूँ बहुत कुछ सीखने को मिला

बहुत कम उम्र से उन्हें गुरु मानकर बहुत कुछ सीखा। कोई ऐसा पल नहीं होता जब उन्हें न याद नहीं करती। उन्हें याद करते हुए मन बहुत भावुक हो जाता है। उनके साथ कई शोज भी साथ किए बाद में जब वे अस्वस्थ रह तब भी उन्हें निरंतर संपर्क बना रहा। गुरु कभी अपने शिष्यों को छोड़कर नहीं जाते हमेशा साथ रहते हैं।
-तरुणा साहू, शिष्या, पंडवानी गायिका

कभी अपनी कला और संकल्प से समझौता नहीं किया

हमारे लिए तीजन बाई सिर्फ एक महान कलाकार नहीं थीं, बल्कि परिवार की ऐसी मजबूत शिखरयत थीं, जिनसे हमें हर दिन कुछ सीखने को मिला। उन्होंने जीवन में बहुत संघर्ष देखा, लेकिन कभी अपनी कला और अपने संकल्प से समझौता नहीं किया। उनका पंडवानी के प्रति समर्पण अद्भुत था।
-वेणु, तीजन बाई की बहू